RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:308 ता. 30 मई 2024, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

सुप्रीम कोर्ट ने नहीं मानी केजरीवाल की मांग, 2 जून को जाना होगा जेल

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। केजरीवाल की अंतरिम जमानत सात दिन बढ़ाने की मांग वाली याचिका पर कोर्ट ने इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई से करते हुए कहा है कि कोर्ट ने 17 मई को केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा गया है। उस दिन सुप्रीम कोर्ट ने नियमित जमानत के लिए निचली अदालत जाने की छूट दी थी। इसलिए अंतरिम जमानत सात दिन बढ़ाने के आवेदन पर सुनवाई नहीं हो सकती। ईडी ने दिल्ली के कथित शराब नीति घोटाले मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। केजरीवाल ने गिरफ्तारी को चुनौती दी है। इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को कुछ शर्तो के आधार पर रचुनाव में प्रचार के लिए 1 जून तक अंतरिम जमानत दे दी थी और 2 जून को वापस सरेंडर कर जेल वापस जाने का आदेश दिया था।

भीषण गर्मी में यूरिन इन्फेक्शन और गुर्दे की पथरी के बढ़ रहे मामले

पुणे। भीषण गर्मी में केवल डीहाईड्रेशन की समस्या नहीं होती,बल्कि यूरिन इन्फेक्शन और गुर्दे की पथरी जैसी समस्याओं में भी वृद्धि होती है। यूरिनरी ट्रैक्ट पथरी में खनिज और एसिड लवण के छोटे कठोर जमाव होते हैं जो पेशाब के गाढ़ा होने पर बनते हैं। डॉक्टरों ने इस स्थिति से बचने के लिए पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी है। ऐसे में बॉडी को हाइड्रेट रखना महत्वपूर्ण है। यूरोलॉजिस्ट के मुताबिक गर्मियों में पेशाब में पथरी की समस्या बढ़ने की संभावना रहती है। यह समस्या तब होती है जब गर्मी के कारण शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है। हर दिन 2 से 3 मरीज पेट दर्द की शिकायत लेकर इलाज के लिए आते हैं। गर्म के मौसम में नियमित अंतराल पर पानी पीना चाहिए और पेशाब का रंग साफ पानी जैसा होना चाहिए। पीला पेशाब कम पानी पीने का संकेत देता है। डॉक्टर ने सलाह देते हुए कहा कि लगातार पसीने के कारण हमारे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इसके लिए विशेष तौर पर ज्यादा से ज्यादा पानी की जरूरत है। आगे कहा कि पानी की कमी से पेशाब गाढ़ा होगा जिससे पथरी बन जाएगी। उन्होंने कहा, अगर इसका इलाज नहीं किया तो पेशाब में पथरी वाले लोगों को गुर्दे में संक्रमण या गुर्दे की क्षति हो सकती है।

भारत-नेपाल को जोड़ने बन रहा एक और पुल, जून में होगा चालू

-पुल की लंबाई 110 मीटर और लागत करीब 34 करोड़

नई दिल्ली । अब नेपाल जाना होगा आसान क्योंकि उत्तराखंड में भारत-नेपाल सीमा पर एक बड़े पुल का निर्माण किया जा रहा है। नेपाल से भारत का 275 किलोमीटर का इंटनेशनल सीमा लगी हुई है। इस सीमा पर वाहनों के आने जाने के लिए सिर्फ एक ही रास्ता था। ये रास्ता चंपावत जिले के बनबसा में है, लेकिन अब पिथौरागढ़ से भी लोग नेपाल जा सकेंगे। उत्तराखंड का पिथौरागढ़ जिला नेपाल और चीन की सीमा से लगा हुआ है। यहां के सीमावर्ती इलाकों में भारत और नेपाल की मिलीजुली सभ्यता दिखाई देती है। सीमा पर रहने वाले लोग परस्पर एक-दूसरे देश पर निर्भर हैं, चाहे व्यापार हो या फिर रोटी या बेटी के संबंधः। दोनों देशों के नागरिक यहां बेरोकटोक आते जाते हैं। इस संबंध और मजबूत करने के लिए नेपाल से लगे उत्तराखंड के धारचुला शहर के छारछूम में काली नदी पर टू लेन मोटर पुल का निर्माण किया जा रहा है, जो तकरीबन पूरा होने वाला है। धारचूला में बन रहा यह पुल उत्तराखंड में दूसरा ऐसा पुल होगा, जहां से लोग अपने वाहनों से भी नेपाल जा सकेंगे और नेपाल के लोग भी यहां आ सकेंगे। इस पुल को पीडब्ल्यूडी बना रहा है, जिसके एक्जीक्यूटिव इंजीनियर एबी कांडपाल ने बताया कि यह स्पैन पुल 110 मीटर लंबा है, जिसकी लागत करीब 34 करोड़ रुपये है, उन्होंने बताया कि इस साल जून तक पुल का काम पूरा हो जाएगा, जिसके बाद भारत-नेपाल के लोग यहां से आवाजाही कर सकेंगे। अब इस पुल के बनने से दोनों देशों के लोग अपने वाहनों से भी आवाजाही कर सकेंगे। पुल बनने से पर्यटन, व्यवसाय और संबंधों में और मजबूती होने की उम्मीदें है।

1 जून से बदल रहे एलपीजी सिलेंडर, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड से जुड़े नियम

(एजेंसी)

1 जून को ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड से जुड़े नियम बदलने वाले है। जो आपके सीधे दैनिक जीवन को प्रभावित करेंगे। जून में एलपीजी सिलेंडर के उपयोग, बैंक की छुट्टियों, आधार अपडेट और ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित बदलाव देखने को मिलेंगे। आइए 1 जून से प्रभावी होने वाले प्रमुख परिवर्तनों की समीक्षा करें।

नए ड्राइविंग लाइसेंस नियम

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने हाल ही में भारत में ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के लिए नए नियमों की घोषणा की। 1 जून, 2024 से लोग सरकारी आरटीओ के बजाय निजी ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्रों पर ड्राइविंग टेस्ट दे सकेंगे। ये केंद्र लाइसेंस पात्रता के लिए परीक्षण करने और प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अधिकृत होंगे।

नए नियमों का उद्देश्य लगभग 900,000 पुराने सरकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाकर और सख्त कार उत्सर्जन नियमों को लागू करके प्रदूषण को कम करना है।

तेज़ गति से गाड़ी चलाने पर जुर्माना ₹ 1,000 से ₹ 2,000 के बीच रहता है। हालांकि, यदि कोई नाबालिग गाड़ी चलाते हुए पकड़ा जाता है, तो उन्हें ₹ 25,000 का भारी जुर्माना देना होगा। इसके अतिरिक्त, वाहन मालिक का पंजीकरण कार्ड रद्द कर दिया जाएगा, और नाबालिग 25 वर्ष की आयु तक लाइसेंस के लिए अयोग्य होंगे।

आधार कार्ड अपडेट

क्या आप अपना आधार कार्ड अपडेट करने की योजना बना रहे हैं? खैर, आप ऐसा 14 जून तक कर सकते हैं। उपयोगकर्ता अपने आधार कार्ड को ऑनलाइन अपडेट कर सकते हैं। हालाँकि, यदि आप इसे ऑफ़लाइन करना चुनते हैं, तो आपको प्रति अपडेट ₹ 50 का भुगतान करना होगा।

एलपीजी सिलेंडर की कीमत

एलपीजी सिलेंडर की कीमतें हर महीने की पहली तारीख को समायोजित की जाती हैं। 1 जून को तेल कंपनियां गैस सिलेंडर की नई कीमतें तय करेंगी। मई में इन कंपनियों ने कमर्शियल सिलेंडर के दाम कम किए थे और अनुमान है कि जून में ये फिर से सिलेंडर के दाम कम कर सकती हैं। साथ ही

हर दिन की तरह 1 जून को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव की उम्मीद है।

जून में बैंक की छुट्टियां

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी बैंक छुट्टियों की सूची के अनुसार, जून में बैंक 10 दिन बंद रहेंगे। इनमें रविवार और दूसरा व चौथा शनिवार शामिल है। इसके अतिरिक्त, जून में अन्य छुट्टियों में राजा संक्रांति और ईद-उल-अधा शामिल हैं। इसलिए, बैंक जाने की योजना बनाने से पहले छुट्टियों के कार्यक्रम की समीक्षा करने की सिफारिश की जाती है।

4 जून को दो शाहजादे अखिलेश और राहुल ईवीएम को दोषी ठहराने वाले : शाह

नई दिल्ली ।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि इन्होंने तय कर लिया है कि लोकसभा चुनावों में हार का ठीकरा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर फोड़ना है। केंद्रीय मंत्री शाह ने जनसभा को संबोधित कर दावा किया कि भाजपा चुनावों के पहले पांच चरणों में ही बहुमत पा चुकी है। उन्होंने कहा, चार जून को मतगणना के बाद दोपहर को दोनों शहजादे (राहुल गांधी और अखिलेश यादव) संवाददाता सम्मेलन कर कहने वाल हैं कि ईवीएम खराब थी इसलिए हम चुनाव हार गए। शाह ने दावा किया, पांच चरणों में भाजपा ने 310 सीट का आंकड़ा पार कर लिया है। राहुल बाबा की पार्टी 40 सीट के आंकड़े को भी पार नहीं कर पायेगी और सपा चार सीटे ही जीत पायेगी। शाह ने कहा कि विपक्ष के इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के पास प्रधानमंत्री पद का कोई प्रत्याशी ही नहीं है और 130 करोड़ के भारत में बारी-बारी वाले प्रधानमंत्री नहीं चल सकते। उन्होंने कहा, भाइयों और बहनों, यह परचून की दुकान नहीं है। यह 130 करोड़ का महान भारत है। बारी-बारी का प्रधानमंत्री चल सकता है क्या? शाह ने कहा कि कांग्रेस नेता कहते हैं कि पाकिस्तान के पास परमाणु बम है, लेकिन भाजपा के लोग परमाणु बम से नहीं डरते। उन्होंने कहा, पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भारत का हिस्सा है और मोदी सरकार इस लेकर रहेगी। शाह ने आरोप लगाया कि सहारा इंडिया का घोटाला यूपी की पूर्ववर्ती अखिलेश यादव सरकार में हुआ था।

उसके पीड़ितों को उनका धन वापस दिलवाने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने शुरू कराया। अब तक साढ़े तीन लाख लोगों को धन दिलवाया गया है। भविष्य में साढ़े तीन करोड लोगों को 85 हजार करोड रुपए वापस दिलवाये जाएंगे। शाह ने कहा, आज चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि है। नरेन्द्र मोदी ने उन्हें भारत रत्न देने का काम किया और उत्तर प्रदेश के सभी किसानों को सम्मान दिया। शाह ने क्षेत्र में चीनी मिलों का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष ने 30 चीनी मिलें बंद करवायीं जबकि भाजपा सरकार ने 20 मिलें चालू कीं और पांच नई मिलें बनाईं। महाराजगंज में मतदान एक जून को होना है।

नई सरकार जुलाई में केंद्रीय कर्मचारियों को देगी तोहफा

नई दिल्ली ।

हर साल सैंकड़ों सरकारी कर्मचारियों को जुलाई के महीने का इंतजार रहता है। जुलाई के महीने में कर्मचारियों को डबल फायदा मिलता है। इस महीने में कर्मचारियों का वेतन बढ़ जाता है, इसके अलावा महंगाई भत्ते (डीए) में भी बढ़ोतरी होती है। यह दोनों फायदा छोटे स्तर के कर्मचारियों से लेकर बड़े लेवल तक के अधिकारियों को मिलता है। इसके अलावा केंद्र के पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते में भी साल में दो बार बढ़ोतरी की जाती है। इसके बाद 4 जून के बाद केंद्र में बनने वाली नई सरकार केंद्रीय कर्मचारियों को गुड न्यूज देगी। जुलाई में कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और वेतन में बढ़ोतरी की जाएगी। बता दें कि केंद्र सरकार सातवें वेतनमान के तहत साल में दो बार कर्मचारियों का वेतन और महंगाई भत्ता बढ़ाती है। इस साल जनवरी में केंद्र ने अपने कर्मचारियों के डीए में 4 प्रतिशत का इजाफा किया था, जिसके बाद केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 50 फीसदी हो गया था। इसके बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि जुलाई महीने में भी सरकार महंगाई भत्ते में 4 फीसदी की बढ़ोतरी करेगी। बता दें कि केंद्र सरकार हर साल अपने कर्मचारियों के वेतन में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी करती है। इसके बाद में 50 हजार रुपए प्रति माह वेतन पाने वाले कर्मचारियों के वेतन में 1500 रुपए का इजाफा होगा।

धरती तक ठीक था........लेकिन अब आसमान में भी लग गया जाम

नई दिल्ली ।

जहां भी जाए भीड़ ही भीड़...ऐसा कई बार आपने लोगों से सुना होगा या खुद भी महसूस किया होगा। लेकिन क्या आपने कभी सोचा था कि दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर भीड़ जमा हो गई है। इसका कारण हैं पिछले कुछ सालों में एवरेस्ट पर पर्वतारोहियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है, इस कारण वहां भीड़भाड़ और जाम जैसी स्थिति पैदा हो गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरें और वीडियो दावे की पुष्टि करते हैं। इन तस्वीरों में सैकड़ों पर्वतारोही एक-दूसरे के पीछे लाइन में खड़े दिख रहे हैं, मानो वे किसी व्यस्त शहर की सड़क पर हों। कुछ लोगों ने इन तस्वीरों को देखकर यह बात कही है कि लोगों ने दादर स्टेशन बना दिया। कुछ लोगों का कहना है कि इतनी ऊंचाई और मुश्किल रास्ते पर भी इतनी भारी भीड़ कैसे जमा हो सकती है। हाल के दिनों में एवरेस्ट पर कई दुर्घटनाएं भी सामने आई हैं। जिसमें बर्फ के टुकड़े का गिरना और चढ़ाई करने वालों के बीच हाथापाई भी शामिल है। इन दुर्घटनाओं में एक ब्रिटिश पर्वतारोही, एक केन्याई और एक नेपाली पर्वतारोही की जान भी चली गई है। एक गाइड भी लापता है। भीड़भाड़ का नतीजा यह हुआ है कि यहां पर्वतारोहियों को डेथ जोन (8,000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाला क्षेत्र) में ज्यादा समय तक रुकना पड़ता है। कम ऑक्सीजन के कारण, ऊंचाई वाली बीमारी और हाइपोथर्मिया का खतरा बढ़ जाता है। एवरेस्ट पर कुछ समय पहले हिंसक झड़प हुई थी। यह घटना भीड़भाड़ और बढ़ते तनाव का परिणाम थी। पर्वतारोहियों की बढ़ती संख्या से पहाड़ों को भी नुकसान पहुंच रहा है। अब ऐसे में सवाल है कि क्या एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए परमिट की संख्या सीमित नहीं की जानी चाहिए। अनुभवहीन पर्वतारोहियों को रोकना नहीं चाहिए। पर्यटन कंपनियों को बेहतर भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा उपायों का पालन नहीं करना चाहिए। साथ ही साथ इस बात को भी समझने की जरूरत है कि एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ना एक सम्मान की बात है, न कि दिखावे का।

गांधी परिवार के करीबी का छलका पाकिस्तान प्रेम

चीन से चंदा लेकर चीनी प्रोपेगेंडा देश के अंदर चला रही कांग्रेस शहजाद पूनावाला

नई दिल्ली । भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर के चीन पर दिए बयान और बयान पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश की सफाई की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि चीन से चंदा लेकर पहले चीन का धंधा बढ़ाने वाली कांग्रेस अब चीन का प्रोपेगेंडा चला रही है। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस, चीन और पाकिस्तान के माउथपीस की तरह काम कर रही है और इन्हीं दोनों देशों की भाषा बोल रही है। कांग्रेस पार्टी का चीन को लेकर प्रेम फिर से देश के सामने आ गया है। कांग्रेस के गांधी परिवार के करीबी मणिशंकर अय्यर ने पहले पाकिस्तान के प्रति प्रेम दिखाया। ये वहीं व्यक्ति हैं, जो पीएम मोदी को हटाने के लिए पाकिस्तान गए थे और कह रहे थे कि पाकिस्तान से भारत को घबराना चाहिए। लेकिन, कांग्रेस ने कोई कार्रवाई नहीं की। अब, वहीं कांग्रेस नेता अय्यर 1962 में चीन के हमले को कथित बताकर चीन को क्लीनचिट दे रहे हैं। जिस चीन ने भारत की 38,000 वर्ग किमी भूमि पर अवैध कब्जा किया हुआ है, उस व्हाइटवाश करते हुए चीन को क्लीनचिट दे रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी लगातार यह करती आ रही है। चीन से चंदा लेकर चीन का धंधा चलाया, मनमोहन सरकार के समय भारतीय अर्थव्यवस्था और भारतीय उद्योगों को नुकसान पहुंचाकर चीन को फायदा पहुंचाया। भारत की अखंडता से समझौता किया गया। कांग्रेस पार्टी ने चीन के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया। उन्होंने जिक्र किया कि कांग्रेस नेता रमेश कहते हैं कि अय्यर वरिष्ठ नेता हैं और उनके मुंह से निकल गया होगा। लेकिन, बाद में वे अय्यर के बयान को सही बताकर गलवान में हमारे शहीद हुए सैनिकों का वहीं आंकड़ा दे रहे हैं, जो चीन में छपा था यानी चीन का प्रोपेगेंडा फैला रहे हैं।

पूनावाला ने कहा कि आज आईएनसी का मतलब इंडियन नेशनल कांग्रेस नहीं, बल्कि, आई नीड चाइनीज प्रोपेगेंडा, आई नीड चाइनीज एमओयू और आई नीड चाइनीज मनी हो चुका है।

मतगणना टेबलों पर महासमर की तैयारी?

पक्ष और विपक्ष ने बनाई मतगणना की रणनीति

नई दिल्ली।

4 जून को लोकसभा चुनाव की मतगणना होनी है। उड़ीसा विधानसभा चुनाव और अन्य उपचुनावों की भी मतगणना 4 जून को होने वाली है। इस बार मतगणना स्थल भी रण क्षेत्र

बनने जा रहा है।इसको लेकर पक्ष और विपक्ष ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं।

-भाजपा की तैयारी

लोकसभा क्षेत्र में मतगणना एजेंट बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। 31 मईं और 1 जून को भारतीय जनता पार्टी मतगणना एजेंट को विशेष प्रशिक्षण देने के लिए विशेष अभियान संचालित कर रही है। केंद्र एवं राज्य स्तर पर मतगणना के लिए स्पेशल वार रूम तैयार किया जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर पर इसके लिए प्रशिक्षित लोगों की नियुक्ति कर दी है। प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में मतगणना के दौरान पदाधिकारियों से चर्चा कर उन्हें अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई है। मतगणना के दौरान हर छोटी बड़ी गतिविधि पर नजर रखी जाएगी।

- चुनाव आयोग द्वारा प्रशिक्षण

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मतगणना की तैयारियों को लेकर समीक्षा की है। मतगणना स्थल की सुरक्षा, मतगणना की चक्रवार जानकारी, ईवीएम मशीन को लाने-ले जाने, पोस्टल बैलेट की गणना, मतगणना कार्य में लगे हुए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए गए हैं। इस बार फॉर्म 17 की जानकारी को लेकर विपक्षी दल आक्रामक हैं। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया है। याचिका पर अभी सुनवाई होना है। इसको लेकर भी केंद्रीय चुनाव आयोग ने सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को समीक्षा बैठक के दौरान जानकारी दी है।

- कांग्रेस और इंडिया गठबंधन

विपक्षी इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दल, इस बार मतगणना को लेकर काफी सजग हैं।मतदान के दौरान प्रत्येक मतदान केंद्र में जो मतदान हुआ है। उसकी फॉर्म 17 की जानकारी इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों द्वारा एकत्रित की जा रही है। इस बार मतगणना के दौरान ईवीएम और चुनाव कार्य में उपयोग में आई मशीनों के नंबर, ईवीएम मशीन की क्लोजिंग जानकारी और समय, मतगणना के हर स्तर की जानकारी एकत्रित करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।गड़बड़ी होने पर तुरंत आपत्ति करने इत्यादि की जानकारी मतगणना एजेंट और लोकसभा के प्रत्याशी को दी जा रही है। इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दल और कांग्रेस, मास्टर ट्रेनर के जरिए मतगणना एजेंट को प्रशिक्षण दे रही है। कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन के सभी राजनीतिक दलों का फोकस फार्म 17 सी पर है। फार्म 17 की जानकारी के अनुसार मतगणना हो रही है,या नहीं। इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ईवीएम मशीन में जितने वोट डाले गए थे। उससे ज्यादा वोट तो नहीं गिने जा रहे हैं। इस बार इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सभी राज्यों में वार रूम तैयार किए गए हैं।

भारत पर तालीबानी नहीं रामभक्त करेंगे राजः सीएम योगी आदित्यनाथ

पटना। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजद और कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। चुनाव प्रचार के लिए बिहार पहुंचे योगी ने कहा कि भारत पर कोई तालीबानी राज नहीं कर सकता,यहां सिर्फ रामभक्त ही राज कर सकते हैं। योगी ने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में पर्सनल लॉ की आजादी का वादा किया है, वे देश में तालिबानी शासन लाना चाहते हैं। मगर देश की जनता ने तय कर लिया है कि दिल्ली पर रामभक्त ही राज करेंगे। सीएम योगी ने पटना साहिब और आरा लोकसभा सीट पर मंगलवार को लगातार तीन रैलियां कीं। इस दौरान उन्होंने पटना साहिब से बीजेपी प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद और आरा से आरके सिंह के समर्थन में वोट मांगे। योगी ने कहा कि इस चुनाव में उन्हें चौथी बार बिहार आने का मौका मिला। वे बिहार में जहां भी गए, लोगों ने उनसे कहा कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे, पीएम मोदी परम रामभक्त हैं। योगी आदित्यनाथ ने पीएम नरेंद्र मोदी के आतंकवाद के खिलाफ अभियान की तारीफ की। उन्होंने कहा कि अब अगर भारत में एक पटाखा भी फूटता है तो पाकिस्तान डर के मारे सफाई दे देता है। उसे एहसास हो गया है कि यह नया भारत है, जो भले ही आक्रामक नहीं है लेकिन अगर किसी ने कोई हिमाकत की तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। यूपी सीएम ने कहा कि कांग्रेस, आरजेडी और सीपीआई माले में औरंगजेब की आत्मा आ गई है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस और आरजेडी ने एक नक्सली को आरा से सीपीआई माले का उम्मीदवार बनाया है। इंडिया गठबंधन देश की जनता की संपत्ति का एक्सरे कराकर उसे बांग्लादेशी और अफगानिस्तानी घुसपैठियों को सौंपना चाहती है। औरंगजेब ने जिस तरह जजिया कर लगाया था, इंडिया गठबंधन भी यहां इसी तरह बड़ा संपत्ति कर लगाना चाहता है। पटना के फतुहा में जनसभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लोग पर्सनल लॉ की बात करते हैं। रविशंकर प्रसाद जब कानून मंत्री थे तब उन्होंने ट्रिपल तलाक कानून बनाया, अब विपक्ष उसे खत्म करना चाहता है। विपक्षी गठबंधन तालिबानी शासन को बढ़ावा देना चाहता है, जिसमें महिलाओं को स्कूल, कॉलेज और ऑफिस जाने की आजादी नहीं होगी। उन्हें हमेशा बुर्का पहनना पड़ेगा। उन्होंने मंदिर कार्ड खेलते हुए कहा कि रामभक्तों ने मथुरा में भगवान कृष्ण का

भव्य मंदिर बनाने का संकल्प लिया है। कांग्रेस और बिहार में उसकी साथी आरजेडी यह काम कभी नहीं कर सकती, क्योंकि उन्हें वोट चाहिए।

तारक मेहता के सोढ़ी ने तोड़ी चुप्पी, गायब होने का किया खुलासा

बोले-सांसारिक जीवन छोड़ चुके हैं अमृतसर-लुधियाना के गुरुद्वारों में गुजारे दिन

नई दिल्ली। (एजेंसी)

छोटे पर्दे पर धमाल मचाने वाला टीवी सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा से घर-घर में रोशन सिंह सोढ़ी के नाम से पहचान बनाने वाले टीवी स्टार गुरुचरण सिंह करीब एक माह से गायब थे और फिर अचानक सकुशल लौट आए। ये दिन उनके गुरुचरण के पिता के लिए मुसीबत से कम नहीं थे, क्योंकि सोढ़ी तक पहुंचने के लिए पुलिस को कोई जानकारी नहीं मिल रही थी। घर वापस आने के बाद गुरुचरण की तबीयत खराब हो गई थी। गुरुचरण ने घर लौटने के बाद अपने स्वास्थ और 26 दिन तक गायब रहने को लेकर बताया कि इन दिनों वह कहां और किस हाल में थे? ये जानने के लिए फैंस ही नहीं उनके दोस्त भी बेकरार हैं। गुरुचरण सिंह ने अब अपने लापता होने के बारे में खुलासा किया है। मीडिया से बात करते हुए तारक मेहता का उल्टा चश्मा में रोशन सिंह सोढ़ी की भूमिका निभाने वाले 51 साल के गुरुचरण ने कहा कि जब वह घर से चले गए तो पिताजी ने लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वह केस अभी तक बंद नहीं हुआ है।

एक बार वो बंद हो जाए तो मैं बात कर सकता हूं। अपनी सेहत को लेकर गुरुचरण ने कहा कि मेरी तबीयत अब ठीक है। कुछ दिनों पहले मुझे बहुत तेज सिरदर्द हुआ था, धीरे-धीरे सब चीजें ठीक हो रही हैं। गुरुचरण सिंह ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि वह अपना सांसारिक जीवन छोड़ चुके है और धार्मिक यात्रा पर हैं। वह अमृतसर और लुधियाना जैसे कई शहरों में गुरुद्वारों में रुके, लेकिन बाद में उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें घर लौटना चाहिए। बता दें कि 22 अप्रैल को गुरुचरण सिंह को दिल्ली से मुंबई के लिए फ्लाइट पकड़नी थी। उन्होंने फ्लाइट नहीं ली और लापता हो गए। पुलिस जांच में सामने आया कि उनका फोन नंबर 24 अप्रैल तक एक्टिव था, जिसके जरिए कई लेनदेन किए गए। उनके पिता ने 26 अप्रैल को गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी जिसके बाद से ही परिजन और पुलिस गुरुचरण को लेकर परेशान थे।

पुणे पोर्श कांड जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के 2 सदस्य भी एसआईटी जांच के दायरे में

आरोपी के दोस्त का कबूलनामा, कार नाबालिग चला रहा था

पुणे। (एजेंसी)

महाराष्ट्र के पुणे में हुए पोर्श कार हादसे में एक नया अपडेट सामने आया है। जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के गैर-न्यायिक सदस्य एल.एन. दानवड़े के आचरण की जांच और पूछताछ के लिए महाराष्ट्र की शिंदे सरकार द्वारा पांच सदस्यीय एसआईटी कमेटी का गठन किया है, इसकी अध्यक्षता महिला एवं बाल विकास विभाग के उपायुक्त स्तर के अधिकारी करने वाले हैं। इसके अलावा पुलिस सूत्रों ने बताया कि नाबालिग आरोपी ड्राइवर के एक दोस्त ने स्वीकार किया है कि हादसे के वक्त नाबालिग आरोपी ही पोर्श कार चला रहा था, जिसमें दो आईटी प्रोफेशनल्स की मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि 17 वर्षीय नाबालिग भी नशे में था। सूत्रों ने बताया कि आरोपी नाबालिग के दोस्त का बयान पुणे क्राइम ब्रांच ऑफिस में करीब 6 घंटे तक पूछताछ के बाद दर्ज हुआ। आरोपी के दोस्त ने बताया कि नाबालिग (आरोपी) पोर्श कार चलाने से पहले शराब पी थी और बाद में कार हादसे का शिकार हुई। यह घटनाक्रम पुणे पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार द्वारा यह कहने

के कुछ ही दिनों बाद सामने आया कि यह दिखाने की कोशिश की गई थी कि हादसे के वक्त नाबालिग गाड़ी नहीं चला रहा था, बल्कि परिवार का ड्राइवर गंगाराम गाड़ी चला रहा था।

पीएम मोदी की वाराणसी सीट पर पॉलिटिकल टूरिज्म पीक पर

-300 होटल और 1200 लग्जरी गाड़िया 30 तक बुक

वाराणसी । (एजेंसी)

वाराणसी लोकसभा सीट से चुनाव लड़रहे उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार के लिए शहर में नेताओं और समर्थकों का जमघट लगा है। इसकारण काशी के 300 होटल और 1200 लग्जरी गाड़िया 30 तक बुक हैं। प्रचार थमने के बाद होटल खाली होना शुरु हो जाएगें।

लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के दौरान काशी में पॉलिटिकल टूरिज्म में तेजी आई है। देश-प्रदेश के बड़े नेता काशी में हैं। जनसभा, जनसंपर्क के बाद बड़े नेता होटलों में रात्रि विश्राम कर रहे हैं। इसकारण कुल 300 बड़े होटलों और 1200 लग्जरी वाहन 30 मई तक फुल हैं। वीवीआईपी और वीआईपी के लिए शहर के सभी स्टार होटलों के 500 से अधिक कमरे बुक हैं। खासकर छावनी क्षेत्र स्थित होटल के कमरे बुक हैं। टूरिज्म वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष राहुल मेहता ने कहा कि जब प्रचार थम जाएगा, तब लोग का धीरे-धीरे जाना शुरू होगा। 10 दिनों में होटल इंडस्ट्री ने अच्छा कारोबार किया। होटल व्यवसाय से जुड़े कारोबारियों ने बताया कि स्टार होटलों के टैरिफ प्लान बढ़ गए हैं। अलग-अलग होटलों में कमरे और सूइट फुल हैं। छावनी क्षेत्र स्थित होटलों में सबसे महंगे कमरे हो गए हैं। पार्टियों के नेताओं, बाहरी समर्थकों को ठहराने के लिए गेस्ट हाउस, लॉज, धर्मशाला का सहारा लेना पड़ रहा है। कई नेताओं ने परिचितों के अपार्टमेंट में ठहराने की व्यवस्था कर रखी है। ट्रैवल्स संचालकों के अनुसार, 1 जून तक शहर के 1200 लग्जरी वाहन सिर्फ वीवीआईपी के लिए बुक हैं। कई लग्जरी वाहन लखनऊ से मंगाए गए हैं। सामान्य दिनों में 100 वाहनों की मांग रहती है, लेकिन इस समय 10 गुना है। टूरिस्ट बसें, एसी ट्रैवेलर, लग्जरी कारें, इनोवा सबकी बुकिंग चल रही है। अधिकतर गाड़ियों का आरटीओ ने अधिग्रहण कर रखा है। पर्यटकों को वाहन नहीं मिल रहे हैं।

विवादित बयानों में माहिर कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने मांगी माफी

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर विवादित बयान देने में माहिर हैं। अय्यर जब-जब कुछ बोलते हैं तो कांग्रेस को फायदा होने के बजाय नुकसान होने की ज्यादा संभावना बन जाती है। अबकी बार उन्होंने ने चीनी हमले को लेकर ऐसा बयान दिया है जिसे भाजपा ने हाथों हाथ लेकर पलटवार कर दिया। हालांकि बाद में कांग्रेस नेता ने माफी मांग ली।लोकसभा चुनाव के बीच अय्यर ने एक कार्यक्रम के दौरान अपनी बात रखते हुए कहा था कि 1962 में चीनियों ने 'कथित' तौर पर भारत पर आक्रमण किया था। मामला तूल पकड़ते देख मणिशंकर अय्यर ने माफी भी मांग ली है। कांग्रेस नेता के बयान को बीजेपी ने संशोधनवाद का निर्लज्ज प्रयास करार दिया था। मणिशंकर अय्यर के बयान के बाद बीजेपी ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है। अय्यर के विवादित बयान पर बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कांग्रेस की आलोचना की। मालवीय ने कहा कि कि मणिशंकर अय्यर ने नेहरूज फर्स्ट रिक्रूट्स नामक पुस्तक के विमोचन के दौरान एफसीसी में बोलते हुए 1962 में चीनी आक्रमण को कथित बताया। यह रिविजनिज्म का एक निर्लज्ज प्रयास है। बीजेपी ने यह भी सवाल किया कि आखिर कांग्रेस का चीनियों के प्रति प्रेम क्या दर्शाता है? उन्होंने आरोप लगाया, नेहरू ने चीन के पक्ष में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट पर भारत का दावा छोड़ दिया, राहुल गांधी ने एक गुप्त समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, राजीव गांधी फाउंडेशन ने चीनी दूतावास से धन लिया और चीनी कंपनियों के लिए बाजार पहुंच की सिफारिश करते हुए रिपोर्ट प्रकाशित की, उनके आधार पर, सोनिया गांधी की संप्रग ने चीनी सामानों के लिए भारतीय बाजार खोल दिया, जिससे एमएसएमई को नुकसान पहुंचा और अब कांग्रेस नेता अय्यर चीनी आक्रमण पर लीपा-पोती करना चाहते हैं, जिसके बाद से चीन ने 38,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर अवैध कब्जा कर रखा है। कांग्रेस का चीनियों के प्रति प्रेम क्या दर्शाता है?फॉरेन कॉरेस्पोंडेट्स क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम के कथित वीडियो के अनुसार, कांग्रेस नेता ने एक किस्सा सुनाते हुए कहा कि अक्टूबर 1962 में चीनियों ने कथित तौर पर भारत पर आक्रमण किया। जब मामले ने तूल पकड़ा तो अय्यर ने इसके लिए माफी मांग ली।

इस बार केंद्र में बनेगी इंडिया गठबंधन की सरकार, जनता बदलाव के मूड में

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने शिमला में पीएम पर बोला हमला

शिमला। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव के परिणाम 4 जून को आएंगे। इस बार केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने वाली है। देश की जनता इस बार बदलाव के मूड में है। पीएम मोदी ने 2014 में देश की जनता से कई वादे किए थे, वह आज तक एक भी वादा पूरा नहीं कर पाए हैं। यह बात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने शिमला में एक पत्रकार से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने पीएम पर निशाना साधते हुए कहा कि दो करोड़ नौकरी हर साल देने का वादा किया था, आज देश में बेरोजगारी और महंगाई अपने चरम पर पहुंच गई है। किसानों की आय दोगुनी होने की बजाए घट गई है। आज किसान अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन करने को मजबूर हैं। बीजेपी मुद्दों की बात नहीं करती बल्कि देश को धर्म-जाति के नाम पर बांटने का काम करती है।

थरूर ने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आते ही देश की जनता को सामाजिक न्याय देगी। कांग्रेस ने पांच न्याय और 25 गारंटी अपने घोषणा पत्र में दी है, उसे पूरा किया जाएगा। हिस्सेदारी न्याय, किसान न्याय, नारी न्याय, युवा न्याय और श्रमिक न्याय के साथ 25 गारंटियां दी गई हैं। जिसे पूरा कर देश की जनता को समृद्ध और सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बार कांग्रेस और इंडिया गठबंधन बहुत आगे निकल गया है। हरियाणा में 5 से 7 सीटें, राजस्थान में 10 से 12 सीटें, कर्नाटक में 12 से 15 सीटें, केरल 15 से 17 सीटें, तेलंगाना में 10 से 12 सीटें कांग्रेस को मिलेंगी। जबकि, बीजेपी पिछले बहुमत से बहुत नीचे जा रही है। इंडिया गठबंधन बिहार में तेजस्वी यादव के साथ आगे बढ़ा है। महाराष्ट्र में भी इंडिया गठबंधन को अच्छी सीटें मिलने की उम्मीद है।

कांग्रेस नेता ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही यूएपीए कानून में संशोधन किया जाएगा। बिना अपराध के जनता को जेल के अंदर भेजा जाता है, जिससे लोगों को समय पर न्याय नहीं मिल पाता है।

संक्षिप्त समाचार

सख्त हुआ दिल्ली हाई कोर्ट, कहा- दिव्यांगों को आरक्षण से मना नहीं कर सकते निजी संस्थान

नई दिल्ली। दिव्यांगों के हित में दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि कोई भी निजी शैक्षणिक संस्थान दिव्यांगों को आरक्षण से वंचित नहीं कर सकता है। सभी निजी संस्थान दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम-2016 के दायरे में आते हैं। न्यायमूर्ति सी हरीशंकर की पीठ ने गुरु गोविंद सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) को निर्देश दिया है कि बौद्धिक मंदता से पीड़ित छात्र को दिव्यांगता आरक्षण के तहत दाखिला दिया जाए। छात्र ने बीए-एलएलबी कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन किया था, लेकिन आईपीयू ने कई कारण बताते हुए छात्र को दाखिला देने से इनकार कर दिया था। विश्वविद्यालय ने छात्र के दिव्यांगता प्रमाणपत्र पर सवाल खड़ा किया था। पीठ ने इस पर विश्वविद्यालय को कहा है कि वह अपीलीय प्राधिकरण की तरह काम नहीं कर सकता। छात्र का दिव्यांगता प्रमाणपत्र डॉक्टर बाबा साहेब अम्बेडकर हॉस्पिटल द्वारा जारी किया गया है। इस पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। छात्र का 12 साल सात महीने की उम्र में मानसिक परीक्षण मनोचिकित्सक से कराया गया था। मनोचिकित्सक ने छात्र को हल्की मानसिक मंदता का शिकार बताया था। इसके बाद छात्र का मानसिक मंदता का प्रमाणपत्र जारी किया गया था। इसके बाद पीड़ित ने अपने पिता के माध्यम से उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। विश्वविद्यालय का कहना था कि छात्र की तरफ से पहले कमजोर आय निजी वर्ग के तहत दाखिले के लिए आवेदन किया गया था। बाद में इसे बदलकर दिव्यांगता आरक्षण श्रेणी के तहत आवेदन किया किया। हाईकोर्ट ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि छात्र बौद्धिक मंदता का शिकार है। इस लिहाज से वह दिव्यांगता आरक्षण के तहत दाखिले का आवेदन करने का हकदार है। पीठ ने कहा कि आईपीयू छात्र को वह तमाम लाभ दे, जो दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम- 2016 उसे मिलने चाहिए। दिव्यांग के पिता ने याचिका में कहा कि याचिकाकर्ता ने अपने बौद्धिक रूप से मंद बेटे को पांच वर्षीय बीए-एलएलबी कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन किया था, लेकिन विश्वविद्यालय ने संस्थान के स्व-पोषित होने का हवाला देते हुए दिव्यांग श्रेणी में दाखिला देने से इनकार कर दिया था। साथ ही छात्र की दिव्यांगता श्रेणी को लेकर भी मुद्दा उठा। पीठ ने कहा कि छात्र बेशक बौद्धिक रूप से मंद है, लेकिन उसके चिकित्सा दस्तावेज बताते हैं कि वह शैक्षणिक स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करता रहा है। छात्र ने 12 कक्षा सीबीएसई बोर्ड से उर्तीण की है। दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम- 2016 के तहत सरकारी व निजी शैक्षणिक संस्थानों में दिव्यांग छात्रों के लिए पांच फीसदी का आरक्षण निर्धारित है। उच्च न्यायालय ने कहा कि इसके तहत प्रत्येक निजी और सरकारी संस्थान को यह आरक्षण देना ही होगा।

तराजू का कांटा टूट गया.....बीएसपी प्रत्याशी का सिर फूट गया

डॉक्टर ने फिलहाल आराम करने को कहा

चंडीगढ़ । चडीगढ़ से लोकसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की महिला प्रत्याशी हादसे का शिकार हो गई। उनके सिर पर चोट आई और उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा। फिलहाल, उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया है। बात दें कि डॉ. रितु सिंह को चंडीगढ़ से बसपा से अपना प्रत्याशी बनाया है। वे प्रचार के लिए डूमाजरा पहुंची थी। यहां पर समर्थकों ने उन्हें तोलने के लिए सिक्कों से भरे तराजू पर बिठा दिया। लेकिन तभी तराजू का कांटा टूट गया और रितु गिर पड़ीं। इससे उनके सिर फूट गया और कांटे का एक हिस्सा सिर पर जा लगा। आनन फानन में चुनाव प्रचार के लिए साथ रहे समर्थक उन्हें अस्पताल ले गए। गौरलतब है कि बसपा ने चंडीगढ़ से डॉक्टर सिंह को टिकट दिया है। ऋतु दिल्ली यूनिवसिर्टी में प्रोफेसर रही हैं। वह यूनिवर्सिटी में भी दलितों के लिए आवाज उठाने के लिए जानी जाती थीं। लेकिन बाद में उन्हें बर्खास्त कर दिया गया और इस पर जमकर हंगामा हुआ था।

चीनी आक्रमण के लिए कथित शब्द के इस्तेमाल पर कांग्रेस नेता ने मांगी माफी

नई दिल्ली। 1962 में चीनी आक्रमण के लिए कथित शब्द का इस्तेमाल करने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने माफी मांगी है। एक कार्यक्रम में कांग्रेस नेता ने एक किस्सा सुनाते हुए कहा कि अक्टूबर 1962 में चीनियों ने कथित तौर पर भारत पर आक्रमण किया। मणिशंकर ने बाद अपने संक्षिप्त बयान में कहा, आज शाम फॉरेन कॉरेस्पोंडेट्स क्लब में चीनी आक्रमण से पहले गलती से कथित शब्द का इस्तेमाल करने के लिए मैं माफी मांगता हूं। इससे पहले उन्होंने पाकिस्तान को लेकर एक विवादित बयान दिया था। अय्यर ने कहा कि भारत को ये नहीं भूलना चाहिए कि पाकिस्तान के पास भी परमाणु है। मुझे ये समझ नहीं आता कि मौजूदा सरकार ये क्यों कहती है कि हम पाकिस्तान से बात नहीं करेंगे, क्योंकि वहां आतंकवाद है। ये समझना जरूरी है कि आतंकवाद को खत्म करने के लिए बातचीत बहुत जरूरी है। वरना, पाकिस्तान सोचेगा कि भारत अहंकार के साथ उसे दुनिया में छोटा साबित कर रहा है। अय्यर ने चेताते हुए कहा था कि इस रेडिएशन को अमृतसर पहुंचने में आठ सेकंड भी नहीं लगेंगे। अगर हम उनकी इज्जत करेंगे तो वे शांत बने रहेंगे, लेकिन अगर हम उन्हें छोटा दिखाने की कोशिश करेंगे तो कोई पागल आएगा और बम गिरा देगा। अय्यर ने कहा कि हमने भारत और पाकिस्तान के संबंधों को मजबूती देने में बहुत मेहनत की है, लेकिन बीते 10 सालों में दोंनो देशों के बीच बातचीत बंद है। हमें ताकत तब दिखाने चाहिए, जब सामने वाले के पास ताकत ना हो।

पूर्वोत्तर में रेमल का कहर

अब तक 33 लोगों की मौत, स्कूल भी बंद करना पड़े

नई दिल्ली।

पूर्वोत्तर के राज्यों में रेमल चक्रवात तूफान ने जमकर कहर बरपाया है। यहां अब तक करीब 33 लोगों की मौत हो गई है। अकेले मिजोरम में 28 लोगों की जान गई है, और करीब एक दर्जन लोग लापता हैं। मेल्थम में पत्थर की खदान ढहने से 14 की मौत हो गई। असम में चार लोगों की जान रेमल तूफान की वजह से गई है। वहीं कई लोग घायल हुए हैं। रेमल तूफान की वजह से जान गंवाने वालों के परिवारों के लिए मिजोरम सरकार ने 4 लाख रुपए के मुआवजे का ऐलान किया है। साथ ही स्कूल बंद रखने का भी ऐलान किया गया है। तूफान की वजह से अरुणाचल प्रदेश और असम में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। वहीं इंफाल में बाढ़ के हालात पैदा हो गए हैं। रेमल तूफान की वजह से असम, त्रिपुरा में बिजली गुल हो गई है और इंटरनेट भी बंद है। अधिकारियों का कहना है कि तेज हवाओं की वजह से गुवाहाटी समेत राज्य के कई इलाको में पेड़ गिरने की समस्या सामने आ रही है। बिजली के खंभे गिरने से असम के निचले क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है और विभिन्न शहरों से जलभराव की सूचना मिली है। प्रभावित जिलों में कामरूप (मेट्रो), धुबरी, गोलपाड़ा, कामरूप, मोरीगांव, नागांव, सोनितपुर और दीमा हसाओ शामिल हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चक्रवात के प्रभाव के रूप में राज्य भर में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।बता दें कि असम में चक्रवात रेमल के प्रकोप से चलीं तेज हवाओं और भारी बारिश ने मंगलवार को भारी नुकसान पहुंचाया, जिससे चार लोगों की मौत हो गआ और 18 घायल हो गए। कामरूप (मेट्रोपॉलिटन) जिले के सतगांव इलाके के नवज्योति नगर में एक घर पर पेड़ गिरने से 19 साल के मिंटू तालुकदार की मौत हो गई और उसके पिता भी घायल हो गए। वहीं कामरूप जिले में 60 साल की महिला पर एक पेड़ गिर गया जिसे घायल अवस्था में गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज सह-अस्पताल में ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। महिला की पहचान लावण्या कुमारी के रूप में हुई।

रेमल की वजह से बढ़ी मुश्किलें

रेमल चक्रवात तूफान के कारण लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। असम के सभी जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं और नौ जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। खराब मौसम और भूस्खलन की वजह से पूर्वोत्तर में कनेक्टिविटी बाधित हुई है। लोगों को एक जगह से दूसरी जगह जाने में काफी परेशानी हो रही है। बारिश और बाढ़ की वजह से नागालैंड के दोयांग बांध जलाशय में डूब गया है। मेघालय के खासी पहाड़ी क्षेत्र में भी भीषण बारिश हो रही है। मेघालय के सगारो हिल्स क्षेत्र में चक्रवाती तूफान से 200 से ज्यादा घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

फ्लैट के सेप्टिक टैंक में मिले बांग्लादेशी सांसद के शव के टुकड़े

कोलकाता। (एजेंसी)

बांग्लादेश के सांसद मोहम्मद अनवारुल अजीम अनार की हत्या की जांच कर रहे अधिकारियों को एक अपार्टमेंट के सेप्टिक टैंक में मांस के कुछ टुकड़े और बाल मिले हैं। यह वही अपार्टमेंट है, जहां सांसद की हत्या के बाद मुंबई के कसाई ने रातभर शव के टुकड़े किए थे।बांग्लादेश की जासूसी टीम के प्रमुख हारुन या रशीद ने एक बयान में कहा कि हमारी टीम ने जांच के दौरान उत्तर 24 परगना के न्यू टाउन अपार्टमेंट के सेप्टिक टैंक से मांस के कुछ टुकड़े बरामद किए हैं। हालांकि हम अभी क्लियर नहीं हैं कि ये टुकड़े मारे गए सांसद के थे या नहीं। इसलिए पहले इनकी जांच की जानी जरूरी है। पुलिस को संदेह है कि मांस के ये टुकड़े और बाल सांसद के हो सकते हैं। अधिकारियों ने सैंपल फोरेंसिक जांच और डीएनए टेस्ट के लिए भेज दिए हैं। खबर है कि सांसद की बेटी कुछ दिनों में कोलकाता पहुंच सकती है। बता दें कि अजीम अनार की नृशंस हत्याकांड की जांच पश्चिम बंगाल पुलिस की सीआईडी टीम और बांग्लादेश की मेट्रोपॉलिटन पुलिस की जासूसी शाखा के अधिकारी कर रहे हैं। राशिद ने यह भी कहा कि सांसद की बेटी मुमतरीन फिरदौस डोरेन के भी अगले कुछ दिनों में कोलकाता पहुंचने की उम्मीद है।बांग्लादेश पुलिस ने इस हाई प्रोफाइल हत्याकांड में कथित रूप से शामिल एक महिला सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पिछले हफ्ते सीआईडी ने मुंबई स्थित एक पेशेवर कसाई को भी गिरफ्तार किया था, जिसे हत्यारों ने सांसद के शरीर को काटने के लिए बुलाया था। पता लगा है कि उसने पहले शराब पी और रातभर फ्लैट में सांसद के शरीर के टुकड़े करता रहा। राशिद ने बताया, ढाका में मुख्य हत्यारा हमारी हिरासत में है और उससे हमें काफी जानकारियां मिली हैं। हमने सीआईडी से अनुरोध किया था कि फ्लैट की सीवरेज लाइन और सेप्टिक टैंक की जांच होनी चाहिए। हमने वहां से भारी मात्रा में मांस बरामद किया है। उन्हें फोरेंसिक विश्लेषण के लिए भेजा जाएगा और बाद में जरूरत पड़ने पर हम पुष्टि के लिए सांसद के भाई और बेटी के डीएनए से उनका मिलान भी कर सकते हैं।इस बीच दोनों देशों की पुलिस कुछ नहरों की जांच कर रही है। आरोपियों से पूछताछ में पता चला है कि हत्यारों ने पीड़िता की हड्डियां और कपड़े जैसी कुछ चीजें यहां फेंक दी थीं।

राहत शिविरों पर इजराइल ने फिर बोला हमला, 21 की हुई मौत,सड़क पर दौड़ रहे टैंक

गाजा। कत्लेआम करने से इजरायल बाज नहीं आ रहा है। तमाम प्रयासों के बाद भी लगातार हमले हो रहे हैं। राहत शिविरों को भी नहीं बख्शा जा रहा है। बीते रोज इजरायल ने राहत शिविरों पर हमला कर 21 लोगों को मार डाला। दक्षिण गाजा के शहर राफा में इजरायली सेना ने विस्थापितों के लिए बनाए गए शिविवर पर हमला करके 21 लोगों को मौत के घाट उतार दिया। इससे पहले इजरायल ने रविवार को राफा में हवाई हमला करके 45 लोगों को मार डाला था। इससे पहले रविवार को हुए हमले पर इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने अफसोस जताया था और मांगी मांगते हुए जांच के आदेश दिए थे। हालांकि एक दिन बाद ही इजरायल ने एक बार फिर राफा में मासूमों का कत्ल करना शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि इजरायली सेना ने राफा की महत्वपूर्ण पहाड़ी पर कब्जा भी कर लिया है, जो मिस्र से मिलती है। इजरायल की राफा में लगातार स्ट्राइक पर सऊदी अरब की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। उसने दो टूक शब्दों में कहा है कि इजरायल को जितना जल्दी हो सके फिलिस्तीन को स्वीकार कर लेना चाहिए क्योंकि दोनों का अस्तित्व आपस में जुड़ा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, हमास द्वारा संचालित गाजा पट्टी के एक नागरिक सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि मंगलवार को राफा के पश्चिम में इजरायली सैनिकों ने फिर हमला बोला और यहां एक विस्थापन शिविर पर हमले के बाद कम से कम 21 लोग मारे गए। मोहम्मद अल-मुग़य्यर ने कहा कि वे राफ़ा के पश्चिम में विस्थापित लोगों के तंबुओं को निशाना बनाकर किए गए हमले में मारे गए। हमास ने कहा कि इजरायली हमले में क्षेत्र में दर्जनों लोग शहीद और घायल हुए हैं।

अमेरिका में कुत्तों के लिए हवाई सफर शुरु.... कीमत 4,000 पाउंड

वॉशिंगटन। अमेरिका में कुत्तों के लिए हवाई सफर की शुरुआत हुई है। ये पहली बार हैं, जब कुत्तों के लिए विशेष फ्लाइट शुरू की जा रही है। अमेरिका की जेट चार्टर कंपनी बार्क एयर ने इसकी शुरुआत की है। फ्लाइट इस तरह डिजाइन की गई है कि इसमें कुत्ते आराम से सफर कर सकें। लग्जरी डॉग एयरलाइन की फ्लाइट में खिलौनों से भरे लाउंज से लेकर आरामदायक स्पा तक की सहूलियत है। बार्क एयर में सफर करने वाले कुत्ते डॉगी शैंपेन का आनंद लेकर केबिन के चारों ओर घूमने के लिए भी आजाद है। फ्लाइट में कुत्ते यात्रियों को काटने के लिए ट्रे पर शू फुट भी मिलेगा। अमेरिकी कंपनी ने फिलहाल न्यूयॉर्क के वेस्टचेस्टर काउंटी हवाई अड्डे, लॉस एंजिल्स के पास वैन नुय्स और लंदन के बिगगिन हिल से उड़ानें शुरू की है। इनके अलावा पेरिस, मिलान, शिकागो, सिएटल, फ्लोरिडा और एरिजोना के रूट पर भी कंपनी जल्दी ही उड़ाने शुरू करने पर विचार कर रही है। एयरलाइन ने घरेलू उड़ानों के लिए कुत्ते और उसके साथ इंसान की यात्रा का खर्च 4,000 पाउंड रखा है। इंटरनेशनल फ्लाइट के लिए ये कीमत बढ़कर 6,000 पाउंड तक पहुंच जाती है। एक कुत्ते के लिए एक टिकट पर उसके साथ एक इंसान के लिए पास दिया जाता है। डॉग एयरलाइन ने कहा कि कुत्ते की उम्र, साइज या नस्ल के आधार पर कोई प्रतिबंध नहीं है, लेकिन कुत्ते के यात्रा करने वाले इंसान की उम्र 18 साल से ज्यादा होनी चाहिए। बार्क एयर की शुरुआत गुरुवार को न्यूयॉर्क और लॉस एंजिल्स से 14 लोगों की क्षमता वाले गल्फस्ट्रीम जी5 जेट की उड़ान के साथ हुई।

पोप फांसिस ने अपमानजनक टिप्पणी के लिए मांगी माफी

वेटिकन सिटी,। पोप फ्रांसिस ने इटली के बिशपों के साथ एक बैठक में एलजीबीटी समुदाय के लिए अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल किया था, जिसके लिए उन्होंने अब माफी मांगी है। एक बयान में कहा गया है कि उनका होमोफोबिक भाषा का इस्तेमाल करने का कोई इरादा नहीं था। वेटिकन के प्रवक्ता माटेओ ब्रूनी ने एक बयान में कहा कि पोप का कभी भी खुद को समलैंगिकता विरोधी शब्दों में अपमानित करने का इरादा नहीं था, और वह उन लोगों से माफी मांगते हैं जो दूसरों द्वारा बताए शब्द के इस्तेमाल से आहत होते हैं। पोप ने बंद कमरे में बिशपों के साथ खास बैठक की थी, जिसमें उन्होंने अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिसे इटली के अखबारों ने प्रमुखता से छापा था। रिपोर्टों के मुताबिक पोप फ्रांसिस ने इटालियन शब्द फ्रोसियागिन का इस्तेमाल किया, जिसका अनुवाद फगोटनेस या फगोट्री है। वेटिकन ने इस बात पर जोर दिया कि पोप फ्रांसिस रिपोर्टों से वाकिफ हैं और एक समावेशी और स्वागत करने वाले चर्च को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं। वेटिकन के प्रवक्ता ने कहा कि कोई भी बेकार नहीं है, कोई भी जरूरत से ज़्यादा नहीं है, सभी के लिए जगह है। 87 साल के पोप फ्रांसिस को उनके 11 साल के पोप कार्यकाल के दौरान एलजीबीटी समुदाय तक पहुंच के लिए पहचाना जाता है। 2013 में पोप ने कहा था कि अगर कोई व्यक्ति समलैंगिक है और ईश्वर की तलाश करता है और उसकी इच्छा अच्छी है, तो मैं फैसला करने वाला कौन होता हूं?

चीन में पूर्व बैंकर को मौत की सजा... अपने आप में एक दुर्लभ मामला

बीजिंग। चीन की एक अदालत ने 151 मिलियन डॉलर की रिश्वत लेने के लिए एक पूर्व बैंकर को मौत की सजा सुनाई है। यह अपने आप में एक दुर्लभ मामला है। चीन हुआरोंग इंटरनेशनल होल्डिंग्स के पूर्व जनरल मैनेजर बाई तियानहुई को तियानजिन की एक अदालत ने मौत की सजा सुनाई। बाई तियानहुई से जीवन भर के लिए उनके राजनीतिक अधिकार छीनकर उनकी सारी निजी संपत्ति जब्त कर ली गई। अदालत ने कहा कि उनकी अवैध कमाई की वसूली की जाएगी और देश के खजाने में जमा कर दिया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि बाई ने बड़ी रकम के बदले परियोजनाओं के अधिग्रहण और वित्तपोषण में दूसरों की मदद करने के लिए अपने पद का फायदा उठाया। अदालत के फैसले में कहा गया कि बाई ने रिश्वतखोरी का अपराध किया है। इसमें शामिल रिश्वत की रकम बहुत बड़ी थी। 2012 में सत्ता संभालने के बाद से चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में कई चीनी अधिकारियों को कड़ी सजा दी जा चुकी है। लेकिन मौत की सजा बेहद दुर्लभ है क्योंकि उनमें से ज्यादातर अपना अपराध कबूल कर लेते हैं और लंबी अवधि की जेल के लिए तैयार हो जाते हैं। बाई भ्रष्टाचार के लिए मौत की सजा पाने वाली चीन के दूसरे हुआरोंग अधिकारी हैं।

फ्लाइट के अंदर नग्न होकर दौड़ने लगा यात्री.....फिर हुआ क्या

केनबरा। ऑस्ट्रेलिया की एक घरेलू फ्लाइट में तब अफरा-तफरी मच गई, जब उसकी गैलरी में एक यात्री नग्न होकर दौड़ने लगा। इस दौरान यात्री ने फ्लाइट अटेंडेंट को गिरा दिया और विमान को वापस लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा। आरोपी व्यक्ति को पुलिस ने एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया। घटना वर्जिन ऑस्ट्रेलिया एयरलाइंस की एक फ्लाइट में हुई, जो पर्थ से पूर्वी तट पर मेलबर्न के लिए तय थी। एयरलाइन के एक बयान में कहा गया है कि उड़ान एक परेशान करने वाले यात्री की वजह से पर्थ हवाई अड्डे पर लौट आई। ऑस्ट्रेलियाई फेडरल पुलिस अधिकारी रनवे पर फ्लाइट के लौटने का इंतजार कर रहे थे और जैसे ही फ्लाइट लैंड हुई 'यात्रा में परेशानी खड़ी करने वाले शख्स' को उतार दिया गया। पुलिस ने कहा, एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया क्योंकि वह कथित तौर पर उड़ान के बीच विमान में नंगा होकर दौड़ने लगा और क्रू मेंबर के एक सदस्य को फर्श पर गिरा दिया। यह साफ नहीं हो सका है कि विमान में यात्री ने अपने कपड़े कैसे और कहां उतारे। पुलिस को उम्मीद है कि वह उस व्यक्ति को 14 जून को पर्थ की अदालत में पेश होने के लिए समन जारी करेगी। हालांकि, शख्स को किन आरोपों का सामना करना पड़ेगा, यह अभी तय नहीं हुआ है। इस पूरी घटना के लिए एयरलाइन ने फ्लाइट में सवार अन्य यात्रियों से माफी मांगी और कहा कि यात्रियों और क्रू मेंबर की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता थी।

पाकिस्तान में मोदी की हार और राहुल गांधी की जीत के लिए मांगी जा रहीं दुआएं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हार और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की जीत के लिए दुआएं मांगी जा रहीं है। इस आशय का खुलासा पाकिस्तान के पूर्व मंत्री ने किया है। पूर्व पाकिस्तानी मंत्री ने राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी की जीत की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी है। पाकिस्तानी के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी के मन में इस बात की आशंका है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार भारत में सरकार बना सकते हैं।

दक्षिण कोरिया में उत्तरी कोरिया का एक बैलून आसमान में उड़ते हुए।

टग ऑफ वॉर में भारत ने चीन को चटाई धूल, वीडियो वायरल

खारतूम। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद एक बड़ा मुद्दा है। इसको लेकर आए दिन खबरे मिलती रहती है और विपक्ष भी सरकार पर हमलावर रहता है। इस सबके बीच भारतीय सेना के जवानों ने टग ऑफ वॉर (रस्साकशी का खेल) में चीनी सैनिकों को धूल चटा दी और उन्हें शिकस्त का सामना करना पड़ा। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा मिशन के तहत सूडान, अफ्रीका में तैनाती के दौरान भारतीय सैनिकों और चीनी सैनिकों के बीच टग ऑफ वार प्रतियोगिता हुई। सेना के अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि टग ऑफ वॉर में भारत और चीन दोनों देशों के सैनिक आमने-सामने थे। ये बहुत ही रोमांचक मुकाबला हुआ इसमें भारतीय सैनिकों ने चीनी सैनिकों को शिकस्त दी। इसमें भारतीय सैनिक जीत के बाद जश्न मनाते नजर आ रहे हैं। वहीं वीडियो वायरल होने के बाद भारतीय लोग भी गर्व महसूस कर रहे हैं। बता दें कि शीत युद्ध के बाद से संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा मिशन को युद्ध को जल्द खत्म करने, नागरिकों की रक्षा करने तथा दीर्घकालीन शांति एवं सुरक्षा को समर्थन देने के उद्देश्य से तैयार किया गया। इसके लिए शांति समझौतों को लागू करने में सैन्य कार्रवाई और कूटनीति की जरुरत होती है। इसमें संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के सैनिक, पुलिस और आम नागरिक शामिल होते हैं। यह उन इलाकों में तैनात किए जाते हैं जहां कोई देश या संस्था शांति स्थापित नहीं कर सकती है।

हमने भारत के साथ हुए समझौते का किया उल्लंघन... यह हमारी गलती

-पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने स्वीकारा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ ने माना कि 28 मई, 1998 को पाकिस्तान ने पांच परमाणु परीक्षण किए थे। उसके बाद, भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी यहां आए और पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया था लेकिन हमने उस समझौते का उल्लंघन किया...यह हमारी गलती थी।

नवाज शरीफ ने अपनी पार्टी की एक बैठक में स्वीकार किया कि पाकिस्तान ने 1999 के लाहौर समझौते का उल्लंघन किया था। भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। शरीफ ने परोक्ष रूप से जनरल परवेज मुशर्रफ के कारगिल में घुसपैठ का जिक्र करते हुए कहा यह हमारी गलती थी। लाहौर समझौता, दो पड़ोसियों के बीच एक शांति समझौता है, जिसमें शांति और सुरक्षा बनाए रखने और दोनों देशों के बीच पिपुल-टू-पिपुल कॉन्टेक्ट को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया था। नवाज शरीफ के बताए अनुसार पाकिस्तान ने कुछ ही समय बाद कारगिल में घुसपैठ कर इसका उल्लंघन किया था। इसी घुसपैठ के कारण कारगिल युद्ध हुआ था।

पाकिस्तान के तब आर्मी चीफ रहे परवेज मुशर्रफ ने अपनी सेना को गुप्त रूप से मार्च 1999 में जम्मू कश्मीर के कारगिल जिले में घुसपैठ का आदेश दिया था। भारत को जब इस घुसपैठ का पता चला तो युद्ध छिड़ गया। भारत ने यह युद्ध जीत लिया था। दरअसल, आज पाकिस्तान ने अपने पहले परमाणु परीक्षण की 26वीं वर्षगांठ मनाई है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) या पीएमएलएन की एक बैठक में शरीफ ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने पाकिस्तान को परमाणु परीक्षण से रोकने के लिए पांच अरब अमेरिकी डॉलर की पेशकश की थी, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया था। उन्होंने इमरान खान पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जैसे लोग अगर मेरी सीट पर होते तो उन्होंने क्लिंटन का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया होता। बता दें पनामा पेपर्स मामले में पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद तीन बार के प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ को अपना पीएम पद छोड़ना पड़ा था। बाद में वह ब्रिटेन चले गए थे। इसके छह साल बाद वह विगत दिवस निर्विरोध पीएमएल-एन के अध्यक्ष चुने गए हैं। नवाज ने अपने खिलाफ तमाम मामलों को झूठा बताया, जिसकी वजह से उन्हें 2017 में प्रधानमंत्री पद छोड़ना पड़ा था। उन्होंने 2014 में प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए आईएसआई प्रमुख से मिले संदेश का भी जिक्र करते हुए कहा कि जब मैंने इनकार कर दिया तो उन्होंने मुझे उदाहरण बनाने की धमकी दी थी।

राफा शहर पर इजरायली हमलों से विस्थापित फिलिस्तीनियों की मौत ... गुस्साया अरब

-सऊदी अरब, यूएई, कतर सहित कई देशों ने इजरायल को निशाने पर लिया

रियाद (एजेंसी)। रफाह शहर में इजरायल रविवार से लगातार हमले कर रहा है जिसमें कई विस्थापित फिलिस्तीनियों की जान गई है। विस्थापितों के टेंटों पर हुए एयरस्ट्राइक में 46 लोग मारे गए, जिसमें से अधिकतर महिलाएं और बच्चे थे। फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने कहा कि इजरायल ने जानबूझकर विस्थापितों को निशाना बनाया और हवाई हमले किए।

इजरायली हमले में फिलिस्तीनियों की मौत पर अरब दुनिया में भारी आक्रोश है। सऊदी अरब, यूएई, कतर सहित कई अरब देशों ने हमले के लिए इजरायल को निशाने पर लिया है। सऊदी अरब ने रफाह में विस्थापितों पर इजरायल के हमले की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में इजरायली सेना द्वारा अंतरराष्ट्रीय और मानवीय कानूनों के जबरदस्त उल्लंघन को खारिज कर दिया गया। सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने कहा कि गाजा में जो मानवीय स्थिति बन रही है, उसे किसी भी तरह से स्वीकार नहीं किया जा सकता है। अरब के एक और महत्वपूर्ण देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने रफाह में इजरायली हमले की निंदा कर कहा कि इजरायल रफाह में रह रहे विस्थापितों को निशाना बना रहा है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने बयान में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के फैसले को लागू करने पर जोर दिया जिसमें मांग की गई थी कि इजरायल रफाह में अपनी सैन्य कार्रवाई को तुरंत रोके।

वहीं मिस्र के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मिस्र फिलिस्तीनी शहर रफाह में विस्थापित लोगों के तंबुओं पर जानबूझकर हुए इजरायली हवाई हमले की कड़ी शब्दों में निंदा करता है, जिसमें सैकड़ों लोग हताहत हुए हैं। हवाई हमले को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के प्रावधानों और युद्ध के समय में नागरिकों की सुरक्षा पर 1949 के चौथे जेनेवा कन्वेंशन का घोर उल्लंघन बताया गया है।

अरब देश जॉर्डन ने भी रफाह में इजरायली हमले की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के फैसलों की घोर अवहेलना और अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवीय कानून का गंभीर उल्लंघन है। कुवैत ने भी इजरायली हमले की कड़ी निंदा इस हमलों को नरसंहार बताया। विदेश मंत्रालय ने कहा, यह हमला एक अभूतपूर्व नरसंहार और जबरदस्त युद्ध अपराध है।

10 अक्टूबर 2024 को अंतरिक्ष में होगी एक अनोखी खगोलीय घटना

वॉशिंगटन (एजेंसी)। इस साल अंतरिक्ष में एक नया अनुभव खगोलविदों देखने को मिलेगा। पूर्ण सूर्य ग्रहण और ऑरोरा बोरेलिस के बाद स्काईगेजर्स के लिए एक नई खगोलीय घटना आ रही है। स्काईगेजर्स को एक दुर्लभ अंतरिक्ष घटना दिखेगी, जिसमें धूमकेतु त्सुचिनशान-एटीएलएएस (सी/2023 ए3) शामिल है। ये रात में अपनी चमक बढ़ाने की प्रक्रिया में है। इस धूमकेतु ए3 की ऑर्बिट मंगल और बृहस्पति के बीच है। इसे पूरा होने में 80,000 साल लगे और इस अभी केवल दूरबीन से ही देखा जा सकता है।

धूमकेतुओं के बारे में भविष्यवाणी करना आसान नहीं है, लेकिन खगोलविदों ने उनके पथों का अध्ययन करने के बाद बताया है कि उन्हें कहां और कैसे देखा जा सकता है। यह खगोलीय पिंड अक्टूबर के दौरान चमकदार हो जाएगा और शुक्र ग्रह जितना चमकीला हो जाएगा। इस तरह यह लाखों धूमकेतुओं की मेजबानी करने वाले ऊर्ट क्लाउड नामक पिंड से आने के बाद कॉमेट ऑफ ईयर बन जाएगा। यह 10 अक्टूबर 2024 को सूर्य के सबसे करीब उड़ान भरेगा और उत्तरी गोलार्ध से दिखाई देगा। ए3 धूमकेतु को संभवतः अक्टूबर और नवंबर के दौरान नग्न आंखों से देखा जा सकता है। वैज्ञानिकों ने बीते साल सूर्य के करीब से गुजरने वाले सी/2023 ए3 नाम के नए धूमकेतू की खोज की थी। अनुमान के मुताबिक 80,660 साल में यह सूर्य की एक परिक्रमा करता है। इसे पहली बार 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका में एस्टेरॉयड टेरेस्ट्रियल-इम्पैक्ट लास्ट अलर्ट सिस्टम टेलीस्कोप में देखा गया था। चीन के पर्पल माउंटेन ऑब्जर्वेटरी के खगोलविदों ने 9 जनवरी को इस धूमकेतु की स्वतंत्र रूप से खोज की थी। ये धूमकेतु शनि और बृहस्पति ग्रह के बीच है। इस साल अक्टूबर में यह किसी तारे की तरह दिखाई देगा। यह धूमकेतु 290,664 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हमारे सौरमंडल में यात्रा कर रहा है। 13 अक्टूबर 2024 को इसके पृथ्वी के करीब से गुजरने की संभावना है। खगोलविदों का अनुमान है कि धूमकेतु हर 80, 660 वर्षों में सूर्य की एक बार परिक्रमा करता है। 28 सितंबर 2024 को यह सूर्य के सबसे करीब पहुंचेगा। धूमकेतु बर्फ और धूल की बनी चट्टान होती हैं और सूर्य के करीब से गुजरने के दौरान टूटने लगती हैं।

फ्रांस-जर्मनी बोले-यूक्रेन को मिले रूस के अंदर जाकर हमले करने की इजाजत

-रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दी थी चेतावनी

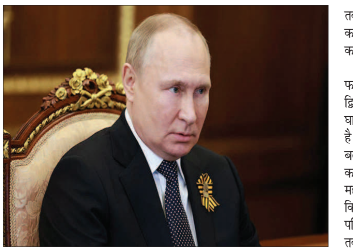

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस और जर्मनी के नेताओं ने कहा कि यूक्रेन को रूस के अंदर जाकर हमला करने की इजाजत दी जानी चाहिए जहां से यूक्रेनी क्षेत्र पर मिसाइलें दागी जा रही हैं, लेकिन अन्य ठिकानों पर नहीं। इससे पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी दी थी कि नाटो के सदस्य यूक्रेन को रूस के अंदर हमला करने के लिए हथियारों का इस्तेमाल करने देने का प्रस्ताव देकर आग से खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे वैश्विक संघर्ष शुरू हो जाएगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने जर्मनी के मेसेबर्ग में जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज के साथ पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हम यूक्रेन का समर्थन करते हैं लेकिन तनाव नहीं चाहते हैं, यह नहीं बदला है। हमारा मानना है कि यूक्रेन को रूस के अंदर उसके सैन्य ठिकानों को खत्म करने की इजाजत देनी चाहिए जहां से यूक्रेन पर मिसाइलें दागी जा रही हैं।

जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज ने कहा कि वह मैक्रों से सहमत हैं। उन्होंने कहा कि जब तक यूक्रेन संयुक्त राज्य अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय कानून सहित हथियारों की आपूर्ति करने वाले देशों द्वारा दी गई शर्तों को मानता है तो उसे अपनी रक्षा करने की इजाजत है। यूक्रेन जो कर रहा है उसके लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत उसके पास पूरी संभावना है। उन्होंने कहा कि मुझे यह अजीब लगता है जब कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि यूक्रेन को अपना बचाव करने और इसके लिए उपयुक्त उपाय करने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए।

रूस और यूक्रेन के बीच 24 फरवरी 2022 से शुरू हुआ युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप में सबसे घातक युद्ध है। पश्चिमी देशों का मानना है कि पुतिन वैश्विक युद्ध के खतरे को बढ़ा रहे हैं, जबकि पश्चिमी नेता इसे कम करने की कोशिश कर रहे हैं. नाटो महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने कहा कि नाटो के सदस्यों को यूक्रेन को पश्चिमी हथियारों के साथ रूस के अंदर तक हमला करने देना चाहिए। उनके इस विचार का ट्रान्साटलांटिक गठबंधन के कुछ यूरोपीय सदस्यों ने भी समर्थन किया है, लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। वहीं जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज ने यूक्रेन को लंबी दूरी की टॉरस मिसाइलें देने से इनकार कर दिया है, जो संभावित मॉस्को तक पहुंच सकती हैं।

सावधान और सतर्क हो जाएं.... दुनिया जल्दी ही एक और महामारी आने वाली

-ब्रिटेन के पूर्व चीफ वैज्ञानिक का दावा

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के पूर्व चीफ वैज्ञानिक एडवाइजर सर पैट्रिक वालेंस ने कहा है कि दुनिया जल्दी ही एक और महामारी का सामना करने वाली है। इस माहमारी को रोकना तकरीबन नामुमकिन है। वालेंस ने चेतावनी देकर है कि एक और महामारी का आना निश्चित है। इसके बाद सरकार को इस ओर से पीठ करने की बजाय तैयारियों को प्राथमिकता देना चाहिए है। वालेंस का मानना है कि इलाज तक पहुंच और टीका कठोर उपायों की जररूत को कम कर सकता है, जैसा कि कोरोना के दौरान करने को मजबूर होना पड़ा था। बीते कुछ सालों में कोरोना वायरस से फैली महामारी ने दुनियाभर में लाखों लोगों की जान ली है। इसके बाद वालेंस की चेतावनी ने फिर चिंता को बढ़ा दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, वालेंस ने कहा कि आने वाले समय में चुनाव के बावजूद महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने पर भी जोर देने की जरूरत है। वालेंस के अनुसार, सबसे महत्वपूर्ण मामलों में से एक उभरते खतरों का शीघ्र पता लगाने के लिए बेहतर निगरानी की व्यवस्था स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि आसानी से उपलब्ध निदान, टीके और उपचार कोविड दौरान देखे गए कठोर उपायों की आवश्यकता को रोक सकते हैं। वालेंस ने कहा, सुधारों के लिए महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समन्वय की आवश्यकता है। 2023 तक जी7 उन बिंदुओं को भूल ही गया था, जो उन्होंने 2021 में उठाए थे। ये नहीं चलता है, आप इसके बारे में नहीं भूल सकते। महामारी की तैयारियों के लिए पूरे दमखम से व्यवहार किया जाना चाहिए। हम जानते हैं कि हमारे पास एक सेना होनी चाहिए, इसलिए नहीं कि इस साल युद्ध होने वाला है, बल्कि हम जानते हैं कि एक राष्ट्र के रूप में हमें जो चाहिए उसका यह एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि हमें तैयारी में कोताही नहीं करनी है। इस आसान चीज के रूप में नहीं देखना चाहिए कि जब महामारी का कोई संकेत ना हो तब बेफिक्र बैठ जाएं। महामारी का कोई संकेत नहीं होगा और ये आ जाएगी। उन्होंने महामारी समझौते के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के दबाव का उल्लेख किया, जो देशों के लिए महामारी तैयारियों पर सहयोग करने के लिए एक प्रस्तावित समझौता है, जो उठाए जा रहे सकारात्मक कदमों में से एक है। फिर भी मुझे नहीं लगता कि पर्याप्त फोकस है।

संपादकीय

युवाओं में कैंसर

निश्चित रूप से यह बेहद चिंता बढ़ाने वाला निष्कर्ष है कि भारत में कैंसर तेजी से युवाओं को अपनी चपेट में ले रहा है। जो हमारी जीवनशैली व खानपान की आदतों में आये बदलावों का भी सूचक है। दरअसल, कैंसर विशेषज्ञों के समूह द्वारा कैंसर मुक्त भारत फाउंडेशन के तहत एक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया कि कैंसर तेजी से युवाओं को प्रभावित कर रहा है। अध्ययन बताता है कि देश में बीस फीसदी मामले चालीस वर्ष से कम आयु के पुरुषों व महिलाओं में पाए गए हैं। जिसमें साठ फीसदी मरीज पुरुष हैं। कैंसर के सबसे ज्यादा मामले सिर व गर्दन के कैंसर के हैं, जो करीब छब्बीस प्रतिशत बताए गए हैं। इसके बाद ये आंकड़े बताते हैं कि सोलह फीसदी मामले गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर के, पंद्रह फीसदी स्तन कैंसर तथा रक्त कैंसर के मामले नौ फीसदी हैं। कैंसर विशेषज्ञों का मानना है कि युवा पीढ़ी में बढ़ते कैंसर के खतरे की वजह तंबाकू व शराब का सेवन है। वहीं दूसरी ओर मोटापा भी एक बड़ा कारक है। जिसके मूल में युवाओं का निष्क्रिय जीवन भी है। विशेषज्ञों का मानना है कि कैंसर के मामले बढ़ने की एक वजह प्रोसेस्ड भोजन का अधिक सेवन भी है। दुर्भाग्य से चिंता की सबसे बड़ी बात यह है कि दो तिहाई मामलों में कैंसर का पता तब चलता है जब तक उपचार में देर हो चुकी होती है। दरअसल, देश में कैंसर की समय रहते जांच कराने के प्रति उदासीनता के चलते भी इस जानलेवा रोग का देर से पता चलता है। ऐसे में सरकार और सामुदायिक स्तर पर कैंसर को लेकर देशव्यापी अभियान चलाने की जरूरत है। कम से कम लोगों को इस बात के लिये मानसिक रूप से तैयार किया जाए कि प्राथमिक संकेत मिलने पर समय रहते जांच तो करा ही लेनी चाहिए। स्वयं सेवी संगठन ग्रामीण इलाकों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को सचेत कर सकते हैं। यही वजह है कि एक प्रमुख बहुराष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा समूह द्वारा हाल ही में जारी अपनी एक रिपोर्ट में भारत को 'दुनिया की कैंसर राजधानी' के रूप में वर्णित किया है। इसकी वजह हर साल कैंसर के लाखों मामले दर्ज किया जाना भी है। दरअसल, भारत में हर साल कैंसर के दस लाख नये मामले दर्ज किये जाते हैं। आशंका जतायी जा रही है कि यह वृद्धि वर्ष 2025 तक वैश्विक औसत को पार कर जाएगी। दरअसल, युवाओं के मामलों को संभालने के लिये एक विशिष्ट केंद्रित दृष्टिकोण की जरूरत होती है। यह देश के कामकाजी वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है। जिसके लिये उन्हें जीवनशैली में बदलाव के लिये प्रेरित किया जा सकता है। साथ ही प्रारंभिक अवस्था में कैंसर का पता लगाने वाली प्रभावी स्क्रीनिंग रणनीति को प्रोत्साहित करके संकट को दूर किया जा सकता है। सही मायनों में भारत को इस छद्म महामारी से मुकाबले के लिये अच्छी तरह से तैयार रहना होगा। यह खतरा बड़ा है और इसमें कैंसर की प्रभावी देखभाल को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। समय की जरूरत है कि कैंसर विषयक अनुसंधान को विशिष्ट महत्व दिया जाए।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

जागरूक मतदाता की पहचान, उंगली पे हो स्याही के निशान

(लेखक -विनोद कुमार सिंह)

आपने उंगली पर लगवाई चमत्कारी स्याही के निशान, प्रजातंत्र की है यह प्राण

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव को राष्ट्रीय महापर्व के रूप मनाया जाता है।इन दिनों लोक सभा साधारण चुनाव 24 के छठे चरण के पूरे होने के बाद अन्तिम सातवें चरण में पहुँच गया है।आजकल आप को एक फोटो दिख रहा है।चाहे आम आदमी हो या खास, राष्ट्रपति हो या उपराष्ट्र पति मंत्री हो या संतरी,जवान - बुर्जग,अमीर हो या गरीब,सभी लोग लोकतंत्र के महायज्ञ की कुण्डली में अपनी मतदान की आहुति डाल दिया है।जिसका सबसे बड़ा प्रमाण उनके बाये हाथ के तर्जनी उंगली पर लगी स्याही के निशान है।जिससे इन दिनों सभी लोग अपनी फोटो खीच कर शोसल मीडिया पर तेजी से शेयर कर यह बताने की कोशिस कर रहा है कि प्रजातंत्र के महापर्व अर्थात चुनाव में उन्हे अपना वोट दे दिया है,आपने भी अपना मतदान कर दिया होगा या सातवे चरण में करने वाले होगें।

जागरूक मतदाता की पहचान,उंगली पे हो स्याही के निशान *आपने जो अपने उंगली पर लगवाई स्याही के निशान,प्रजातंत्र की है यह प्राण*

आज हम आप के समक्ष भारत चुनाव आयोग द्वारा मतदान केंद्र में मतदाताओं को वोट डालने से पूर्व मतदाताओं के बाये हाथ की एक उंगली पर स्याही का निशान जाता है।मै उसी स्याही के बारे में बताने जा रहे है। आप के उंगुली पर जो स्याही निशान लगाई गई है,वह कोई साधारण स्याही नहीं है,बल्कि चमत्कारी स्याही है।इस स्याही का निशान केवल भारत में ही नहीं लगाया जाता बल्कि दुनिया के कई अनेक देशों के चुनाव में इसी स्याही का निशान लगाया जाता है।विश्व के कई देशों भारत से ही निर्यात की जाती है।आपको बता दे कि आपकी तर्जनी उंगली पर स्याही लगाने का सीधा अर्थ होता है कि आपने अपना वोट डाल दिया है। यह स्याही ऐसी होती है कि उसका निशान मिटाया नहीं जा सकता है।प्रारम्भ मे स्याही बैगली रंग की दिखती है,जो कुछ समय साथ ही यह काली पड़ जाती है। इसे इंडेलिबल इंक के नाम से जाना जाता है।आपके मन में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखरिकार यह स्याही बनती कहाँ है।तो मै आप को स्पष्ट कर दुँ कि तेलंगाना के हैदराबाद की रायुडू लेबोरेटरी व कर्नाटक के मैसूर के मैसूर पेंट्स और वार्निश लिमिटेड कंपनी में इसका उत्पादन किया जाता है।मैसूर पेंट्स और वार्निश लिमिटेड में बनी स्याही का इस्तेमाल भारत का चुनाव आयोग करता है जबकि रायुडू लेबोरेटरी में बनी स्याही दुनिया के दूसरे देशों में भेजी जाती है।दुनिया के क़रीब 90 देशों में इस स्याही का इस्तेमाल होता है।इसमें से 30 देशों में स्याही की आपूर्ति मैसूर पेंट्स और वार्निश लिमिटेड कंपनी भी करती है।शुरुआती दिनों में इस स्याही को छोटी बोतलों में भरकर निर्यात किया जाता था।रायुडू लेबोरेटरी के सीईओ शशांक रायुडू के मुताबिक़ आधुनिकतम तकनीकों के चलते 2014 के बाद से इस अमिट स्याही से बने मार्कर का निर्यात किया जा रहा है।चुनाव के दौरान बैंगनी रंग की इस स्याही को बाएं हाथ की तर्जनी पर लगाया जाता है।चुनावी स्याही में 10 से18 प्रतिशत मात्रा सिल्वर नाइट्रेट केमिकल की होती है।जब चुनाव अधिकारी इसे उंगली पर लगाता है तो यह हमारे शरीर में मौजूद नमक के साथ प्रतिक्रिया कर के सिल्वर क्लोराइड बनाता है।चूंकि सिल्वर क्लोराइड पानी में घुलता नहीं है तो यह हमारी त्वचा से जुड़ा रह जाता है।उंगली पर लगने के सेकेंड भर बाद ही यह अपना निशान बना लेता है और 40 सेकेंड में पूरी तरह सूख भी जाता है।खास बात यह है कि पानी के संपर्क में आने के बाद इसका रंग काला हो जाता है।आप चाहे जितना भी साबुन,पाउडर या तेल रगड़ लें,ये छूटेगा नहीं।इसका निशान कम-से-कम 72 घंटे तक त्वचा से मिटाया नहीं जा सकता।चुनाव आयोग के मुताबिक़ 2014 के आम चुनाव के दौरान 21 लाख बॉटल स्याही का ऑर्डर दिया गया था,जो 2019 के आम चुनावों में बढ़कर 26 लाख तक पहुंच गया था।इसका इस्तेमाल 1960 के दशक से हो रहा है। चुनाव आयोग की ओर से मार्च 2015 में जारी हुए एक आदेश के मुताबिक़ स्याही बाएं हाथ की तर्जनी उंगली के नाखून के आखिरी सिरे से प्रथम जोड़ के नीचे तक ब्रश से लगाई जाएगी।जिस ब्रश से यह स्याही लगाई जाती है,उसका निर्माण भी मैसूर पेंट्स एंड वार्निश लिमिटेड ही करता है।लोकसभा साधरण चुनाव 24 के छठे चरण में एक भारतीय नागरिक होने के नाते मैने भी प्रजातंत्र के महायज्ञ में आहुति के रूप अपना दक्षिणी दिल्ली स्थित एक मतदान केन्द्र में अपना मतदान करने स्वर्णिम अवसर प्राप्त हुआ।वही पोलिंग बूथ के मतदान अधिकारी जो ईवीएम कंट्रोल यूनिट के प्रभारी होते हैं, उनका काम यह सुनिश्चित करना होता है कि कंट्रोल बैलेट का बटन दबाने से पहले मतदाता (मुझे)मेरे बायें हाथ की तर्जनी उंगली पर स्याही का निशान पूरी तरह से लगाई गयी।जो आप के उंगली लगाई हो,जब आप अपना मतदान करेंगे तो लगाई जायेगी।एक सवाल यह भी उठता है कि अगर किसी मतदाता के हाथ पर पिछले चुनाव की स्याही का निशान लगा हो तो स्याही कहां लगाई जाएगी।इस सवाल का जवाब चुनाव आयोग ने राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को मार्च 2021 में लिखे एक पत्र में दिया है।आयोग ने इस पत्र में लिखा है, बाएं हाथ की तर्जनी पर अगर पिछले चुनाव की स्याही लगी हो और उसके निशान दिख रहे हों तो स्याही बाएं हाथ की तर्जनी की जगह मध्यमा या बीच की उंगली में लगाई जाएगी।चुनाव आयोग का कहना है कि अगर स्याही मध्यमा पर भी लगी हो तो अनामिका उंगली में लगाई जाएगी।इसके लिए ज़रूरी है कि वर्तमान चुनाव और पूर्व चुनाव के बीच का अंतर दो महीने से अधिक का न हो।अब आप जरूर समझ गये होंगे।भारतीय लोकतंत्र के इस महापर्व के सातवें व अन्तिम चरण1जुन व 4जुन 24 को ईवीएम मशीन में डाले गए मत के नतीजे घोषित किये जायेंगें।जिनका सभी भारतीयो के संग देश व विदेशी राजनीतिक पंडितयों को इंतजार है ,क्योंकि विजयी हुए प्रतिनिधि ही विश्व के सबसे बड़े प्रजातंत्र के मन्दिर संसद भवन में 5वर्षो के लिए अपने क्षेत्र व देश के भविष्य लिए अंहम भुमिका अदा करेंगें। फिलहाल आप सभी से यह कहते हुए विदा लेते है कि ना ही काहुँ से दोस्ती,ना ही काहुँ से बैर।

खबरीलाल तो माँगे सबकी खैर।।फिर मिलेगें,तिरक्षी नजर से तीखी खबर के संग।तब तक के लिए अलविदा।

(लेखक :--स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार है।)

हिन्दी पत्रकारिता के 198 वर्ष

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

(हिन्दी पत्रकारिता दिवस (30 मई) पर विशेष)

भारत-चीन लड़ाई का उल्लेख करें अथवा भारत-पाक युद्ध का या फिर कोरोना से जंग के कठिन दौर का, प्रेस ने प्रत्येक ऐसे विकट अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है और कहना गलत नहीं होगा कि इसमें हिन्दी पत्रकारिता का स्थान सर्वोपरि रहा है। चाहे हिन्दी भाषी टीवी चैनलों की बात हो या हिन्दी के समाचारपत्र अथवा पत्रिकाओं की, देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ उनका विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 198 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई। यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है। हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था 'समाचार सूर्य'। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया। 4 दिसम्बर 1826 से 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। 'उदन्त मार्तण्ड' के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में निकलते गए किन्तु ब्रिटिश शासनकाल की ज्यादतियों के चलते उन्हें लंबे समय तक चलाते रहना बड़ा मुश्किल था, फिर भी कुछ पत्र-पत्रिकाओं ने सराहनीय सफर तय किया। अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं

और हिन्दी पत्रकारिता भी मिशन न रहकर एक बड़ा व्यवसाय बन गई है किन्तु अच्छी बात यह है कि आज भी हिन्दी पाठक व दर्शक अपनी-अपनी पसंद के अखबारों व चैनलों के साथ पूरी शिद्दत से जुड़े हैं। देश-विदेश की हर छोटी-बड़ी हलचल से लेकर तमाम ज्वलंत मुद्दों और हर प्रकार की नवीनतम जानकारियों को जुटाकर अपने पाठकों या दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने की बात हो या, व्यवसायीकरण के आरोपों या घर बैठे दुनिया की सैर कराने की, तमाम विरोधाभासों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता यह काम बखूबी कर रही है और आमजन के भरोसे पर खरा उतरते हुए हिन्दी पत्रकारिता आज आम जनजीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। अधिकांश हिन्दी समाचारपत्रों के अब ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध हैं। विगत कुछ वर्षों में देश में बड़े-बड़े घोटालों का पर्दाफाश करके अनेक सफेदपोशों के चेहरों पर पड़े नकाब उतार फैंकने का श्रेय भी पत्रकारिता जगत को ही जाता है, जिसमें हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को भी किसी भी लिहाज से कमतर नहीं आंका जा सकता। वर्तमान में जहां देशभर में नैतिक मूल्यों में बड़ी गिरावट आई है और राजनीतिज्ञों, विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायिक व्यवस्था पर से लोगों का विश्वास कम होता जा रहा है, वहीं पत्रकारिता भी इस नैतिक पतन का शिकार होने से नहीं बची है। हालांकि आज के पूर्ण व्यावसायिकता के दौर में पत्रकारिता को अव्यावसायिक बनाए रखने की बात करना बेमानी होगा क्योंकि इस पेशे से जुड़े लोगों को भी अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाना अनिवार्य होता गया है लेकिन व्यावसायिकता के इस दौर में भी इसे एक उद्योग-धंधे के रूप में स्थापित करने के प्रयासों के चलते पत्रकारिता के मानदंडों को ताक पर रखने की प्रवृति से तो हर हाल में बचना ही चाहिए। फिर भी इतना संतोष तो किया ही जा सकता है कि हिन्दी पत्रकारिता ने इसके बावजूद अधिकांश अवसरों पर सराहनीय भूमिका निभाई है।

(लेखक 34 वर्षों से हिन्दी पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा कई चर्चित हिन्दी पुस्तकों के लेखक हैं)

विचार मंथन

किस पर भरोसा करें यह समझ से परे

(लेखक - सनत जै)

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के निर्देश पर सीबीआई द्वारा नर्सिंग कॉलेजों की जांच की जा रही थी। पिछले कई महीने से जांच चल रही थी। सीबीआई के अधिकारियों ने रिश्वत लेकर अपनी जांच रिपोर्ट हाईकोर्ट को सोंपी। जांच करने के लिए सीबीआई की टीम प्रत्येक नर्सिंग कॉलेज तक गई और सीबीआई के अधिकारियों द्वारा जांच की गई। मान्यता देते समय नर्सिंग काउंसिल, मेडिकल विश्वविद्यालय और शासन द्वारा नियमों का पालन कराने के स्थान पर रिश्वत लेकर आंख मूंद ली गई। छात्र संख्या के आधार पर रिश्वत लेकर हर कोई अनुमति दे रहा था। पिछले 4 वर्षों में लगभग 50000 से ज्यादा नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं का भविष्य बर्बाद है। 3 साल से मध्य प्रदेश में नर्सिंग की परीक्षाएं नहीं हो पा रही हैं। मामला हाई कोर्ट में पिछले 1 वर्ष से अधिक समय से चल रहा है। यह माना जा रहा था, हाईकोर्ट के आदेश पर देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी सीबीआई इस मामले में गंभीरता से जांच करके दोषियों को सामने लाएगी। जब सीबीआई की रिपोर्ट आई, जांच रिपोर्ट ओर वास्तविक स्थिति का चित्रण याचिकाकर्ताओं द्वारा तथ्यों के साथ हाईकोर्ट में पेश किया। उसके बाद हाईकोर्ट के आदेश पर एक बार फिर सीबीआई के अधिकारियों की जांच शुरू की गई। जांच में सीबीआई के अधिकारियों ने भी रिश्वत लेकर वही किया, जो पहले की एजेंसियों ने किया था। सीबीआई के छापे में सीबीआई के अधिकारी ही रंगे हाथों न केवल रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार हुए बल्कि इनका एक तंत्र जो नीचे से ऊपर तक रिश्वत लेकर उन नर्सिंग कॉलेज को परमिशन दिलाने में मददगार हो रहा था। जिनके पास ना तो इंफ्रास्ट्रक्चर था। ना ही फैकल्टी थी और वह कागजों पर संचालित हो रहे थे। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने इस खुलासे के बाद सभी 169 नर्सिंग कॉलेज की जांच न्यायिक दंडाधिकारी की उपस्थिति में कराए जाने के आदेश जारी किए हैं। सीबीआई के अधिकारी एक बार फिर सभी 169 नर्सिंग कॉलेज की जांच करेंगे। जांच के समय न्यायिक अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। इसकी वीडियो भी बनाई जाएगी। शासन और प्रशासन द्वारा बनाए गए नियमों और हाईकोर्ट के आदेशों का किस तरह से पालन किया जाता है। यह एक सच के रूप में, हम सभी के सामने हैं। नियम-कायदे, कानून और न्यायपालिका का उपयोग किस तरह से होता है। जिनके पास पैसा है, वह जो करना चाहते हैं वह कर लेते हैं। नियम-कायदे, कानून रिश्वत वसूली के साधन हैं। आम आदमी किस पर विश्वास करे, यह उसके समझ में नहीं आता है। उसके सामने रिश्वत देकर छुटकारा पाने के अलावा और अन्य कोई विकल्प नहीं होता है। मान्यता प्राप्त कॉलेजों में छात्र-छात्राओं ने एडमिशन लिया। लाखों रुपए प्रति छात्र-छात्रा खर्च हुए। सरकार ने भी स्कॉलरशिप में करोड़ों रुपए की राशि खर्च की। प्रदेश और देश में नर्सिंग स्टाफ की भारी कमी है। विदेश में भी इन्हें नौकरी के अवसर मिलते हैं। 18 वर्ष से 21 वर्ष के युवा और युवती नर्सिंग कॉलेज की पढ़ाई इसलिए करना चाहते हैं। सेवा के साथ इसमें रोजगार के अवसर भी बड़ी मात्रा में उपलब्ध हैं। मध्य प्रदेश सरकार, नर्सिंग काउंसिल, मेडिकल विश्वविद्यालय जो कॉलेज को मान्यता देने के पूर्व उनके इंफ्रास्ट्रक्चर और फैकल्टी इत्यादि की जांच करते हैं। इतने सारे चेक पॉइंट होते हुए यदि इस तरीके की गड़बड़ी हुईं हैं। तो उन पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। यही कहा जा सकता है, देश में कानून का शासन नहीं रहा। पिछले वर्षों में सीबीआई जैसी संस्था जिसका सभी विश्वास करते थे, आज वह कहां से कहां पहुंच गई है। हाईकोर्ट का आदेश भी उसके लिए कोई मायने नहीं रखता है। सीबीआई ने 356 नर्सिंग कॉलेजों की मौके पर जाकर जांच की थी। जांच के पहले ही रिश्वत वसूल करने के लिए सीबीआई के अधिकारियों ने एक गैंग बना ली। जिन नर्सिंग कॉलेज के पदाधिकारियों ने उन्हें उनके द्वारा निर्धारित रिश्वत पहुंचा दी, उसके बाद जांच दल में शामिल चाहे सीबीआई का अधिकारी हो, चाहे पटवारी हो, चाहे राजस्व विभाग का कोई अधिकारी कर्मचारी हो, सभी ने उसमें अपना-अपना ठप्पा लगाकर सभी ने अपना हिस्सा वसूल कर लिया। सीबीआई के अधिकारियों की जांच होने पर उनके द्वारा रिश्वत लिए जाने के मामले प्रमाणित होने पर उनमें से कुछ को निलंबित कर दिया गया है, कुछ की जांच चल रही है। पिछले 1 वर्ष से अधिक समय से हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। नर्सिंग कॉलेजों के सभी छात्र-छात्राएं पिछले तीन वर्ष से बिना परीक्षा के यहां से वहां भटक रहे हैं। नर्सिंग कॉलेजों में पढ़ाई नहीं हुई। हाईकोर्ट के आदेश पर अब परीक्षाएं भी होंगी। बिना पढ़े परीक्षा में इनको पास भी कर दिया जाएगा। डिग्री या डिप्लोमा इन्हें भले मिल जाए। लेकिन जो थ्योरी और प्रैक्टिकल का ज्ञान हासिल करना था, वह संभव नहीं हो पाया। सब अपना अपना काम कर रहे हैं। दुर्गति तो उन बेचारे छात्र-छात्राओं की हो रही है, जो पिछले 3 साल का समय बर्बाद करके और मां-बाप के लाखों रुपया खर्च करके अपना भविष्य बनाना चाहते थे।

संक्रामक रोगों को आम तौर पर लोग संजीदगी से नहीं लेते। भारत में ज्यादातर लोग मुंहासों के इलाज के लिए या तो घरेलू नुस्खे अपनाते हैं या उन्हें पूरी तरह से अनदेखा कर देते हैं। बहुत कम लोग होते हैं जो डॉक्टर के पास जा कर इलाज कराते हैं। ज्यादातर लोग इस बात से अनजान हैं कि मुंहासे पैदा करने वाला बैक्टीरिया एमआरएसए जानलेवा भी हो सकता है।

जानलेवा बैक्टीरिया एमआरएसए

मुंहासे पैदा करने वाला मेथिसिलिन रेसिस्टेंट स्टेफीलोकोकस ऑरेउस या एमआरएसए एक ऐसा बैक्टीरिया है. जो आम तौर पर त्वचा पर आक्रमण करता है। अमेरिका में ज्यादातर त्वचा के रोग इसी विषाणु के कारण होते हैं। मुंहासों तक तो इन पर काबू कर लिया जाता है, लेकिन अगर यह किसी चोट द्वारा खून के अंदर पहुंच जाएं, तो यह शरीर को भारी नुकसान पहुंचा सकता है। खास तौर से ऑपरेशन के दौरान अगर ध्यान न दिया जाए तो यह पूरे शरीर में इन्फेक्शन फैला सकता है।

एंटी बायोटिक का असर नहीं

एमआरएसए को सबसे पहली बार 1961 में खोजा गया था। इससे छुटकारा पाने के लिए एंटी बायोटिक का इस्तेमाल भी किया गया, लेकिन इतने वर्षों में इन विषाणुओं ने खुद को इन दवाइयों के हिसाब से ढाल लिया है। मेथिसिलिन, अमोक्सिसिलिन, मेथिसिलिन रेसिस्टेंट स्टेफीलोकोकस ऑरेउस या एमआरएसए पेनिसिलिन, ओक्ससिलिन जैसे ज्यादातर एंटी बायोटिक अब इन पर काम करने में विफल रहते हैं। वैज्ञानिक अब नए एंटी बायोटिक बनाने में लगे हैं।

यूरोप में लाखों बीमार

यूरोप में हर साल चालीस लाख से अधिक लोग अस्पतालों में इन्ही एमआरएसए विषाणुओं का शिकार होते हैं। इनमें से 35,000 जर्मनी में हैं। एक अध्ययन के अनुसार यूरोप में हर साल 37,000 लोग इसलिए अपनी जान गंवा बैठते हैं, क्योंकि वे अस्पताल में आकर बीमार पड़ते हैं और समय रहते उनका सही इलाज नहीं हो पाता। यूरोपीय संघ कोशिश कर रहा है कि अस्पतालों में साफ-सफाई के मापदंड अब और भी सख्त कर दिए जाएं।

मरीज की पहचान जरूरी

जर्मन सोसाइटी फॉर हॉस्पिटल हाइजीन चाहता है कि जर्मनी के हर अस्पताल में मरीज को भर्ती करने से पहले उसकी पूरी तरह से जांच कर ली जाए कि कहीं वह अपने साथ इस कीटाणु को तो नहीं लाया है। ऐसा करना इसलिए जरूरी है, ताकि मरीज की पहचान कर ली जाए और उसे बाकी मरीजों से अलग रखा जाए। जर्मनी, फ्रांस और पोलैंड में 25 प्रतिशत मरीजों में यह कीटाणु पाया गया। स्पेन और तुर्की जैसे अन्य दक्षिण यूरोपीय देशों में हालात और भी खराब हैं। वहां 50 प्रतिशत मरीज इस विषाणु से संक्रमित हैं।

एमआरएसए का बढ़ता खतरा

पिछले वर्षों में एमआरएसए के केस इतनी तेजी से बढ़े हैं कि अब इसे कामकाज संबंधी बीमारी के रूप में देखा जा रहा है। जर्मन सोसाइटी फॉर हॉस्पिटल हाइजीन के अनुसार जर्मनी में 80 प्रतिशत अस्पतालों में एमआरएसए का खतरा है। इन अस्पतालों से कड़े रूप से यह कहा जा रहा है कि जो लोग साल में एक से ज्यादा बार अस्पताल में भर्ती हो रहे हों, उनकी पूरी जांच की जाए।

क्या आप जानते हैं?

क्या है डीप वैन थ्रोमयोसिस यानी 'डी वी टी '? लम्बी दूरी की थकाऊ उड़ान की कीमत अकसर पैरों और हमारी जंघाओं को चुकानी पड़ती है ।

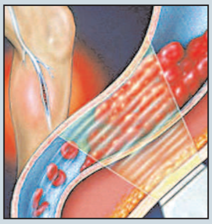

लक्षण

लम्बी दूरी उड़ान के दौरान काल्फ जैसी डीप वैन्स (निचली शिराओं में) खून का थक्का बनने लगता है। साथ में बेहद का दर्द और इन्फ्लेमेशन होने लगता है। बस यही है 'डीप वैन थ्रोम -योसिस' के लक्षण।

समाधान

डी वी टी का समाधान भी सीधा सरल है। हर एक घंटे के बाद प्लेन में एक सिरे से दूसरे तक टहलिए । पैर लटकाकर बैठे मत रहिए। खूब पानी पीजिए (हाई -डरै -टिड रखिये शरीर को) हो सके तो किसी भी प्रकार पैरों को एलीवेटिड रखिए । वैसे आप को बता दें कि आजकल फ्लाइट के दौरान पहने जाने वाले विशेष मौजे (सॉक्स)भी उपलब्ध हैं ।

यह फ्लाईट सॉक्स खास तौर पर डिजाइन किए गए कम्प्रेशन होजरी से तैयार किये जाते हैं। ये रक्त प्रवाह को पैरों की और मोड़ कर दिल तक ले जाते हैं। यह पैरों पर इस तरह से दबाव (प्रेशर) डालते हैं, जिससे दर्द घुटनों से पैरों के टखनों (एंकल) की ओर मुड़ जाता है।

हाउस वाइफ रीता आजकल बहुत चिंतित रहने लगी है। दरअसल महीने में यह तीसरी बार है की वह अपने 6 वर्षीय बेटे रिंकू को स्थानीय अस्पताल में दिखाने लाई है। रिंकू को बार बार दस्त हो रहे हैं। मात्र 4 दिन पहले ही रिंकू को इसी अस्पताल से छुट्टी मिली थी, तब उसे उल्टी दस्त की वजह से 2 दिन के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया था।

घर के बर्तन भी फैलाते हैं रोग

बाल रोग विशेषज्ञ ने रीता को बताया की रिंकू की बीमारी खाने से उत्पन्न बैक्टीरिया की वजह से हुई है। इसलिए उसे रिंकू की खानपान की आदतों के प्रति खास तौर पर चौकन्ना रहना होगा। डॉक्टर ने रीता को यह भी बताया कि अपने बच्चे को खाना देते वक्त उसे क्या करना है और क्या नहीं।

डॉक्टर द्वारा दी गई सूची को पूरा पढ़ने के बाद लगा जैसे रीता रो पड़ेगी, क्योंकि इस सूची में ऐसा कोई काम नहीं था जो उसने न किया हो। एक शिक्षित व समझदार मां के तौर पर रीता ने बहुत अच्छी तरह अपने बच्चे की सेहत व भलाई के हरसंभव कदम उठाया था।

रीता ने हमेशा यह सुनिश्चित किया कि रिंकू वहीं पानी पीए जो छना व उबला हुआ हो। उसने अपने बच्चे को हमेशा ताजा बना हुआ भोजना दिया। वास्तव में रीता के पति व उसकी सहेलियां उसका यह कह कर मजाक भी उड़ाते थे कि अपने बेटे के मामले में वह कुछ ज्यादा ही हाइजीनिक है। रीता ने बहुत सोचा, लेकिन फिर भी वह उस कारण को नहीं ढूंढ़ पाई, जिस वजह से उसके बेटे को बार बार संक्रमण हो रहा था।

उदाहरण मात्र है

रीता तो मात्र एक ही उदाहरण है। हमारे देश मे ऐसी हजारों माताएं हैं जो उस कारण को खोज रही हैं, जिसकी वजह से उनके बच्चे व परिवार के अन्य सदस्य बार बार बीमार पड़ते हैं। किंतु लगातार प्रयासों के बावजूद भी वे इन संक्रामक बीमारियों को अपने घर से दूर नहीं रख पा रही हैं।

वरिष्ठ चिकित्सकों के अनुसार

जब हम भोजन की साफ-सफाई के बारे में बात करते हैं तो बर्तनों का जिक्र शायद ही कभी आता हो। वास्तव में बर्तन भोजन संबंधी स्वच्छता का सबसे अहम हिस्सा हैं, क्योंकि बर्तनों में ही खाना पकाया, परोसा और ले जाया जाता है। जिन बर्तनों को ठीक से धोया नहीं जाता, उनमें ऐसे जीवाणु पनप जाते हैं, जो रोगकारक होते हैं और ऐसे बर्तनों से बीमारी फैल सकती है।''

तो क्या है इसका हल?

सर्वश्रेष्ठ तरीका तो यही है कि बर्तनों को रोगाणुओं से मुक्त किया जाए। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सलाह दी जाती है कि बर्तनों को धोने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री में जीवाणुनाशक एजेंट होना चाहिए। लेकिन यह भी ध्यान रखने योग्य बात है कि बर्तन धोने के लिए जो रासायनिक एजेंट इस्तेमाल किए जाएं वे सुरक्षित हों और उनसे किसी किस्म का नुकसान न हो। साइक्लोजैन ऐसा रोगाणुरोधी एजेंट हैं, जो इस उद्देश्य को पूरा करते हैं।

उद्देश्य को पूरा करते हैं साइक्लोजैन

साइक्लोजैन मानव इस्तेमाल के लिए सुरक्षित हैं और ये बर्तनों से 85 प्रतिशत बैक्टीरिया को साफ करने में सक्षम हैं। ये रसायन बैक्टीरिया को धो डालते हैं और लगभग 8 घंटों तक उन्हें फिर से पनपने से भी रोकते हैं। इस वक्त भारतीय बाजारों में कई ब्रांड नामों से 'डिश वॉश' फॉर्मूला उपलब्ध हैं, जिसमें साइक्लोजैन मौजूद हैं।

अनदेखा कर देते हैं अहम पहलू

- साफ-सफाई के सभी मानकों का पालन करने पर भी हम में से अधिकतर लोग भोजन दूषित होने के सबसे अहम् पहलू को अनदेखा कर देते हैं- वे बर्तन जिनमें हम खाना पकाते, रखते और खाते हैं।
- आम तौर पर प्लेटें और टिफिन को सिर्फ पानी से धो लिया जाता है। हम सभी जानते हैं कि नल से आने वाला पानी रोग फैलाने वाले जीवाणुओं को लिए होता है।
- भले ही आप दो-तीन बार पानी को छानें या उबालें या फिर गर्मागर्म खाना बना कर परोसें; लेकिन आपकी इन कोशिशों पर पानी फिर जाएगा, अगर यह खाना-पानी ऐसे बर्तनों में परोसा जाए, जिन्हें रोगाणुओं से मुक्त नही किया गया है।
- गिलास, कटोरी, थाली, टिफिन आदि में मौजूद बैक्टीरिया भोजन व पानी में बड़ी तेजी से मिल जाते हैं। एक बार भोजन या पानी दूषित हो गए तो फिर वे हमेशा के लिए दूषित ही रहेंगे।

100 रुपये से कम के यूपीआई ट्रांजेक्शन पर नहीं आएगा संदेश

एचडीएफसी बैंक 25 जून से लागू करने जा रही यह सुविधा

मुंबई । निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक, एचडीएफसी बैंक अपने लाखों ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा लेकर आया है। बैंक के ग्राहकों को एक निश्चित रकम से कम अमाउंट का यूपीआई ट्रांजेक्शन करने पर संदेश नहीं मिलेगा। यह फैसला बैंक ने कर लिया है, लेकिन फैसले को तत्काल प्रभाव से लागू नहीं किया जा रहा है। इस निर्णय को अगले महीने 25 जून से लागू किया जा रहा है। इसके तहत यदि आप किसी को यूपीआई के जरिये 100 रुपये से ज्यादा रकम भेजते हैं, तभी एसएमएस अलर्ट भेजा जाएगा। इस तरह यदि आप 500 रुपये से ज्यादा रकम प्राप्त करते हैं, तभी एसएमएस अलर्ट भेजा जाएगा। बैंक ने स्पष्ट किया है कि ईमेल अलर्ट पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। ग्राहकों सभी ट्रांजेक्शन पर पहले की तरह ईमेल अलर्ट मिलता रहेगा। बैंक ने सभी ग्राहकों को कहा है कि वे अपना इमेल अपडेट कर लें। ईमेल अपडेट करने के लिए बैंक ने सभी ग्राहकों को एक लिंक भी भेजा है। अभी तक एचडीएफसी बैंक हर ट्रांजेक्शन पर आपको संदेश भेजता है। मतलब कि जब आप कोई पेमेंट करते हैं या आपके खाते में कहीं से पैसे आते हैं तब उस बारे में तुरंत आपको एसएमएस मिलता है। चाहे यह ट्रांजेक्शन 10 रुपये का क्यों नहीं हो। अब यह व्यवस्था खत्म होगी और अगले महीने से नई व्यवस्था लागू हो जाएगी।

11 साल में ग्वारगम का निर्यात 86 फ़ीसदी घटा

जोधपुर । भारत से दुनिया के देशों में ग्वारगम का निर्यात बड़ी मात्रा में होता था। पिछले 11 वर्षों में इसका निर्यात 86 फ़ीसदी घट गया है। राजस्थान के जोधपुर से ही निर्यात किए जाने वाले ग्वारगम का लगभग 60 फ़ीसदी हिस्सा होता था। जिसके कारण जोधपुर को सबसे ज्यादा आर्थिक नुकसान हुआ है। वर्ष 2023-24 में मात्र 3500 करोड रुपए का ग्वारगम भारत से विदेश में निर्यात किया गया है। 2012-13 में जोधपुर से 25000 करोड रुपए का ग्वारगम निर्यात किया गया था। 12 साल पहले ग्वार गम का भाव 1200 रूपये प्रति किलोग्राम था। जो अब घटकर 120 रूपये प्रति किलो रह गया है। ग्वार गम के अन्य कई विकल्प आ जाने के कारण, दुनिया भर के देशों में इसकी मांग घटी है। मांग घटने से कीमत भी घट गई है। राजस्थान में ग्वारगम के करीब 120 उद्योग थे। अब मात्र 25 रह गए हैं। जिसके कारण यहां पर बेरोजगारी भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। जो उद्योग चल रहे थे उनके बंद हो जाने से हजारों लोग बेरोजगार हो गए हैं।

कम बजट और ज्यादा माइलेज वाली ये है बाइक्स

-बाजार में ग्राहकों की बनी हुई पहली पसंद

नई दिल्ली । आज हम आपको बता रहे हैं 80 हजार रुपये तक के बजट में आने वाली पांच बढ़िया बाइक मॉडल्स के बारे में जो ज्यादा माइलेज ऑफर करती हैं। जानकारी के मुताबिक, होंडा लिवो ड्रम बाइक के ड्रम वेरिएंट की कीमत 78,500 रुपये (एक्स-शोरूम) और डिस्क वेरिएंट की कीमत 82,500 रुपये (एक्स-शोरूम) है। ये बाइक एक लीटर में 74 किलोमीटर तक दौड़ सकती है। बजाज ऑटो की बजाज प्लेटिना पॉपुलर बाइक की कीमत 67,808 रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है। माइलेज की बात करें तो एक लीटर पेट्रोल में ये बाइक 70 किलोमीटर तक दौड़ सकती है।हीरो मोटोकॉर्प की हीरो स्पलेंडर प्लस पॉपुलर बाइक के लिए 75,141 रुपये (एक्स-शोरूम) से 77986 रुपये (एक्स-शोरूम) तक खर्च करने होंगे। हीरो कंपनी की ये बाइक 80 किलोमीटर तक का माइलेज ऑफर करती है। टीवीएस मोटर की टीवीएस स्पोर्टस अर्फोडेबल बाइक के दो मॉडल्स हैं, एक मॉडल की कीमत 59,881 रुपये (एक्स-शोरूम) तो वहीं दूसरे मॉडल की कीमत 71,223 रुपये (एक्स-शोरूम) है। एक लीटर फ्यूल में ये बाइक 75 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकती है। एक लीटर में 65 किलोमीटर तक दौड़ने वाली होंडा शाइन बाइक की कीमत 64,900 रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है। बता दें कि लोगों को अक्सर एक ऐसी बाइक की जरूरत होती है जो भरपूर माइलेज दे। देश में पेट्रोल की कीमत 100 रुपये के पार पहुंच गई है ऐसे में अगर माइलेज अच्छी न मिले तो पेट्रोल का खर्च काफी बढ़ जाता है।

गौतम अदाणी खरीदेंगे पेटीएम!

कंपनी ने कहा अटकलबाजी

नई दिल्ली।

वन97 कम्युनिकेशंस ने मीडिया रिपोर्ट का खंडन किया है जिसमें दावा किया गया था कि गौतम अदाणी फिनटेक कंपनी पेटीएम में हिस्सा खरीदने के लिए पेटीएम के फाउंडर और सीईओ विजय शेखर शर्मा से बातचीत कर रहे हैं। कंपनी ने कहा कि इस तरह की खबरें अटकलबाजी हैं और कंपनी ऐसे किसी भी चर्चा में शामिल नहीं है। हमने हमेशा सेबी के तहत अपने दायित्वों के अनुपालन में हमेशा डिस्क्लोजर्स दिए हैं और आगे भी देते रहेंगे। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पेटीएम के संस्थापक और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने अदाणी ग्रुप के साथ डील फाइनल करने के लिए अहमदाबाद में अदाणी के दफ्तर गए थे लेकिन यह डील पूरी हो जाती है, तो अदाणी ग्रुप बंदरगाहों से हवाई अड्डों के समूह का प्रतीक होगा। साथ ही फिनटेक सेक्टर में प्रवेश करने पर अदाणी समूह गूगल पे, वॉलमार्ट के स्वामित्व वाले फोनपे और मुकेश अंबानी की जियो फाइनेंशियल जैसे कंपनियों को टक्कर देना वाला होगा। गौरतलब है कि इससे पहले अदाणी ग्रुप ने अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए सीमेंट निर्माता एसीसी सीमेंट और अंबुजा सीमेंट्स का अधिग्रहण किया था। साथ ही बीते वित्त वर्ष मीडिया फर्म एनडीटीवी को भी अपने पोर्टफोलियो में शामिल कर लिया था।

डिजिटल पेमेंट फर्म पेटीएम का एकीकृत नुकसान वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में बढ़कर 549.6 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष में इस अवधि में यह 168.4 करोड़ था। क्रमिक आधार पर नुकसान तीसरी तिमाही के 219.8 करोड़ रुपए के मुकाबले दोगुना हो गया।

वित्त वर्ष 2024 में कंपनी ने 1,417 करोड़ रुपए का नुकसान उठाया जो वित्त वर्ष 2023 में 1,776.5 करोड़ था। कंपनी की शुद्ध आय सालाना आधार पर चौथी तिमाही में 2.6 फीसदी घटकर 2,398.8 करोड़ रह गई जो वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में 2,464.6 करोड़ रुपए थी।

2025 के अंत तक 26,500 के स्तर को छू लेगी निफ्टी

नई दिल्ली।

एमके ग्लोबल फाइनैंशियल सर्विसेज की पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) इकाई एमके इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स को उम्मीद है कि इस साल अंत तक निफ्टी-50 इंडेक्स 24,500 के पार हो जाएगी, जबकि दिसंबर 2025 तक यह 26,500 के स्तर को छू लेगी। 50 ब्लूचिप कंपनियों के शेयर वाले इंडेक्स का बंद होने का स्तर 22,888 रहा है और इस तरह से इसमें अगले 18 महीने में 16 फीसदी का इजाफा हो सकता है। यह बढ़ोतरी आय में 15 फीसदी बढ़ोतरी के सहारे से ही होगी। परिसंपत्ति प्रबंधक को उम्मीद है कि वित्तीय क्षेत्र, इंडस्ट्रियल्स और सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों का प्रदर्शन अच्छा रहेगा।

एलआईसी का सालाना प्रीमियम में दो अंक बढ़ाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) इस वित्त वर्ष में सालाना प्रीमियम (एपीई) में दो अंकों की बढ़ोतरी का लक्ष्य कर रही है। इस बढ़ोतरी से नए उत्पादों और एजेंसी चैनलों को मजबूती मिलेगी। निगम के प्रबंधन ने नतीजों के बाद एनालिस्ट कॉल में बताया कि वे किसी एकल स्वास्थ्य बीमा कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने के विकल्प को भी तलाशेंगे। जीवन बीमा उद्योग में नए कारोबार की बिक्री को मापने का सामान्य तरीका एपीई होता है। इसकी गणना सालाना नियमित प्रीमियमों में एकल प्रीमियमों का 10 फीसदी हिस्सा जोड़कर की जाती है। एलआईसी के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती ने बताया कि वित्त वर्ष 2025 में अतिरिक्त बढ़ोतरी उत्पाद और चैनल दोनों से होगी। उन्होंने बताया कि हमने बीते वर्ष दिशा-निर्देश में बदलाव के चलते नॉन-पार सेगमेंट में कुछ उत्पाद लॉन्च किए थे और हमें वांछित परिणाम भी मिले थे। वित्त वर्ष 2024 में सालाना एपीई में गैर भागीदारी उत्पाद बढ़कर 18.32 फीसदी हो गए जबकि यह वित्त वर्ष 2023 में 8.89 फीसदी थे।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 667 अंक , निफ्टी 183 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव के परिणामों से पहले निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। इस दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जमकर निकासी की है। जिससे भी घरेलू बाजार पर दबाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 667.55 अंक नीचे आकर 74,502.90 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स में लिस्टेड 30 शेयरों में से 24 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी-50 183.45 अंकों की गिरावट के साथ ही 22,704.70 के लेवल पर बंद हुआ। गत कारोबारी दिवस यह 22,888.15 के लेवल पर बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान पावरग्रिड के शेयरों में आज सबसे ज्यादा 1.52 फीसदी उछाल आया। इसके अलावा सनफार्मा , नेस्ले इंडिया , आईटीसी, भारती एयरटेल और इंडसइंड बैंक के शेयर भी ऊपर आये। दूसरी ओर टेक महिंद्रा का शेयर आज सबसे ज्यादा, 2.35 फीसदी फीसदी फिसला। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व , एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक , विप्रो, रिलायंस, इंफोसिस जैसी कंपनियां के शेयर नीचे आये। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार अगर भाजपा सरकार को बहुमत मिलता है तो बाजार में बढ़त देखने को मिलेगी पर अगर सरकार को कम सीटें मिलती हैं तो उसके लिए कठोर फैसले लेना कठिन होगा। इसी को लेकर आशंकित विदेश निवेशक जमकर निकासी कर रहे हैं। वहीं गत दिवस भी मुनाफावसूली के कारण बाहर गिरा था। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले नकारात्मक संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। इसी के साथ ही तीस शेयरों वाला एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 0.43 फीसदी करीब 321 अंक नीचे आकर 74,849.45 के स्तर पर खुला। वहीं पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 500.46 फीसदी तकरीबन 105 अंक

फिसलकर 22,783.35 के स्तर पर आया।

एशिया-प्रशांत बाजार में गिरावट के साथ कारोबार हुआ। जापान का निक्केई 0.33 फीसदी, कोरिया का कोस्पी 0.95 फीसदी फिसला। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 भी 0.95 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। अमेरिकी बाजारों में, नैस्डैक ने एनवीडिया स्टॉक में 7 फीसदी की बढ़त के बल पर पहली बार 17,000 का आंकड़ा पार करते हुए एक नया रिकॉर्ड बनाया। नैस्डैक 0.59 फीसदी उछलकर बंद हुआ, एसएंडपी 500 में 0.02 फीसदी की हल्की बढ़त दर्ज की गयी जबकि डॉव जोन्स 0.55 फीसदी टूटा।

पलक झपकते ही आपके घर सामान पहुंचाएगा जियोमार्ट

-मुकेश अंबानी की कंपनी अब क्विक कॉमर्स सेक्टर में भी

मुंबई ।

भारत और एशिया के सबसे बड़े अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज क्विक कॉमर्स सेक्टर में आने की तैयारी में है। कंपनी सूत्रों के मुताबिक जियोमार्ट अगले महीने की शुरुआत में यह सर्विस शुरू कर सकता है। इस सेक्टर में रिलायंस का मुकाबला जोमैटो के ब्लिंकिट, टाटा ग्रुप के बिगबास्केट, स्विगी के इंस्टामार्ट और जेप्टो से होगा। शुरुआत में जियोमार्ट 7-8 महीने में ग्रोसरी की तेज डिलेवरी करेगा और फिर 1,000 से अधिक शहरों में इसका विस्तार करेगा। कंपनी ने इसके पहले 90 मिनट में ग्रोसरी का सामान पहुंचाने के लिए जियोमार्ट एक्सप्रेस सर्विस शुरू की थी लेकिन बाद में करीब एक साल पहले बंद कर दिया गया था। अब कंपनी की योजना 30 मिनट से कम समय में डिलीवरी पूरी करने की है। रिलायंस उस समय इस सेक्टर में आने की योजना बना रही है, जब वॉलमार्ट की कंपनी फ्लिपकार्ट भी क्विक कॉमर्स स्पेस में उतरने की तैयारी कर रही है। यह एक ऐसा प्रयोग है जो खासतौर पर युवा पीढ़ी के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। ब्लिंकिट, स्विगी और जेप्टो 10-15 मिनट में गोसरी और कई तरह के नॉन-ग्रोसरी आइटम की डिलीवरी करते हैं। सूत्रों के मुताबिक जियोमार्ट अपने क्विक कॉमर्स ऑपरेशन के लिए मौजूदा कंपनियों की तरह डार्क स्टोर मॉडल नहीं अपनाएगा, बल्कि इसके बजाय रिलायंस रिटेल के स्टोर और फुलफिलमेंट सेंटर्स के विशाल नेटवर्क का फायदा उठाएगा।

अब तक, जियोमार्ट अपने ग्राहकों को स्लॉटेड और अगले दिन डिलीवरी का विकल्प देता है। सूत्रों ने कहा कि समय के साथ, जियोमार्ट क्विक कॉमर्स के जरिए नॉन-ग्रोसरी आइटम्स की डिलीवरी भी करेगा। उन्होंने कहा इसमें रिलायंस रिटेल के 18,000 से अधिक स्टोर्स का फायदा मिल सकता है। रिलायंस के क्विक कॉमर्स में एंट्री से इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। रिलायंस रिटेल की पूरे देश में मौजूदगी है और उसके पास पैसों की कोई कमी नहीं है। इसके बाद इस सेक्टर में मौजूदा कंपनियों को कड़ी टक्कर मिल सकती है। अभी ब्लिंकिट लगभग 40-45 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ क्विक कॉमर्स सेक्टर में लीडिंग पोजीशन में है। गोल्डमैन सैश का अनुमान है कि ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू के हिसाब से देश में ऑनलाइन ग्रोसरी बाजार का साइज वित्तीय साल 2024 तक करीब 11 अरब डॉलर का है। इसमें से क्विक कॉमर्स की हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत या पांच अरब डॉलर है।

मुथूट पप्पाचन ग्रुप के ब्रांड एंबेसडर बने शाहरुख खान

मुंबई ।

मुथूट पप्पाचन ग्रुप (एमपीजी) ने शाहरुख खान को अपना ब्रांड एंबेसडर घोषित किया है। 137 साल पुराने प्रमुख व्यापारिक समूह को मुथूट ब्लू के नाम से जाना जाता है। मुथूट पप्पाचन समूह भारत की कुछ प्रमुख एनबीएफसी का प्रवर्तक है, जिसमें मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड (समूह की प्रमुख कंपनी), मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड, मुथूट कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड और मुथूट हाउसिंग फाइनेंस कंपनी लिमिटेड शामिल हैं। यह भागीदारी देश के आर्थिक विकास और आकांक्षाओं को बढ़ावा देने से जुड़े एमपीजी के दृष्टिकोण और दृढ़ समर्पण को प्रदर्शित करती है। शाहरुख खान की प्रतिष्ठा इस नैरेटिव को और आगे बढ़ाएगी, जो सभी आयु वर्ग के ग्राहकों के साथ जुड़ेगी और उन्हें बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करेगी। मुथूट पप्पाचन समूह के अध्यक्ष, थॉमस जॉन मुथूट ने अपनी टीम में शाहरुख खान के शामिल होने पर उत्साह जताकर कहा, यह हमारे लिए बड़ी उपलब्धि है। शाहरुख अपने साथ सिर्फ स्टार पावर ही नहीं ला रहे, बल्कि वह विनम्रता और अपने बल पर हासिल सफलता के भी प्रतीक हैं, जो हमारे मूल मूल्यों के अनुरूप है। उन्होंने कहा, शाहरुख की यात्रा हमारी कंपनियों में विभिन्न टचप्वाइंट पर सेवाओं को सुलभ बनाने, देश भर में आम आदमी को सशक्त बनाने के हमारे मिशन को मजबूत करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

जीएसटी ढांचा चार स्लैब से घटाकर तीन स्लैब करने की तैयारी

-दरों को तर्कसंगत बनाने की प्रक्रिया पर नए सिरे काम शुरू

नई दिल्ली।

चालू वित्त वर्ष के दौरान वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में व्यापक बदलाव की तैयारी की जा रही है जिसके तहत जीएसटी ढांचे को चार स्लैब से घटाकर तीन स्लैब किया जा सकता है। इसकी जानकारी रखने वाले एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जीएसटी परिषद के तहत केंद्र और राज्यों के अधिकारियों की फिटमेंट समिति ने राजस्व तटस्थ ढांचा तैयार करने के लिए जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने की प्रक्रिया पर नए सिरे काम करना शुरू कर दिया है। इसमें कुछ दरों और विशेष तौर पर 12 फीसदी दर को हटाने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। मौजूदा दर ढांचे में 5 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी की मानक दरें और 28 फीसदी की अधिकतम दर शामिल है। इसके अलावा इसमें कुछ वस्तुओं और सेवाओं के लिए शून्य और विशेष दरें भी हैं। फिटमेंट समिति ने इसको लेकर बैठक भी शुरु कर दी है। समिति कर की दरों और उसमें संभावित सुधार के लिए इनपुट तैयार कर रही है। इसे जीएसटी दरों में बदलाव का सुझाव देने के लिए मंत्रियों के समूह के सामने पेश किया जाएगा। राजस्व विभाग ने उम्मीद जताई है कि जीएसटी की संशोधित दरें चालू वित्त वर्ष में ही लागू हो जाएंगी। अधिकारी ने कहा कि दरों को तर्कसंगत बनाना पहली प्राथमिकता है क्योंकि कुछ कमियों को दूर करने के लिए मौजूदा कर ढांचे को उपयुक्त बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जुलाई में बजट के बाद परिषद की बैठक में दरों में बदलाव की रूपरेखा पर चर्चा हो सकती है।

यह पहल ऐसे समय हो रही है जब जीएसटी संग्रह अप्रैल में 2 लाख करोड़ रुपये के पार हो चुका था। साल के दौरान मासिक जीएसटी संग्रह 1.7 से 1.8 लाख करोड़ रहने उम्मीद है। इस पर टिप्पणी के लिए वित्त मंत्रालय को भेजे गए ईमेल का अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि दरों को तर्कसंगत बनाए जाने से सभी स्लैब में चीजें बदल सकती हैं। इसलिए इस मुद्दे पर कोई भी निर्णय विचार करने के बाद ही लिया जाएगा।

केंद्र ने इंटरनेशनल फर्जी कॉल को ब्लॉक करने का दिए निर्देश

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने दूरसंचार कंपनियों को भारतीय मोबाइल नंबर प्रदर्शित करने वाली सभी इनकमिंग इंटरनेशनल फर्जी कॉल को ब्लॉक करने का निर्देश दिये है। जारी बयान में दूरसंचार विभाग ने कहा कि यह बताया गया है कि जालसाज भारतीय नागरिकों को भारतीय मोबाइल नंबर दिखाकर इंटरनेशनल फर्जी कॉल कर रहे हैं और साइबर क्राइम और फाइनेंशियल फ्रॉड कर रहे हैं! है कि ऐसी कॉलें भारत के भीतर से उत्पन्न हो रही हैं, लेकिन विदेशों से साइबर अपराधियों द्वारा कॉलिंग लाइन आइडेंटिटी में हेरफेर करके की जा रही हैं और फर्जी डिजिटल गिरफ्तारियों, फेडएक्स घोटाले, ड्रग्स या कूरियर में नशीले पदार्थों, सरकारी और पुलिस अधिकारी बनकर बात करने, डीओटी या ट्राई अधिकारी बनकर मोबाइल नंबरों को बंद करना आदि जैसे हाल के मामलों में इसका दुरुपयोग किया गया है।

दूरसंचार विभाग द्वारा जारी

लैंडलाइन नंबरों के साथ आने वाली इंटरनेशनल फर्जी कॉलों को टीएसपी द्वारा पहले से ही ब्लॉक किया जा रहा है।बयान के अनुसार, 'डीओटी और टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर ने ऐसी पहचान करने और उन्हें किसी भी भारतीय टेलीकॉम ग्राहक तक पहुंचने से रोकने के लिए एक सिस्टम तैयार की है।अब ऐसी आने वाली इंटरनेशनल फर्जी कॉलों को रोकने के लिए टीएसपी

चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में नहीं आया बदलाव

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को चारों महानगरों में ईंधन की कीमतों में बदलाव नहीं आया। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में सभी राज्यों में इसलिए अंतर होता है क्योंकि राज्य सरकारें अपने-अपने स्तर से वैट और अन्य टैक्स लगाती हैं। आज दिल्ली समेत अन्य महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

राजधानी दिल्ली में आज पेट्रोल की कीमतें 94.72 रुपये जबकि डीजल की 87.62 रुपये प्रति लीटर पर हैं। वहीं मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है। -कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल की कीमत 90.76 रुपये प्रति लीटर है। -चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये जबकि डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

वहीं अन्य शहरों की बात करें तो नोएडा में पेट्रोल 94.65 रुपये जबकि डीजल 87.75 रुपये पर है। आगरा में आज पेट्रोल 94.70 रुपये। वहीं डीजल 87.79 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। लखनऊ में आज पेट्रोल 94.65 रुपये और डीजल 87.76 रुपये है। गाजियाबाद में आज पेट्रोल का भाव 94.65 रुपये है, तो वहीं डीजल 87.75 रुपये पर बिक रहा है। मुजफ्फरनगर में आज पेट्रोल 94.63 रुपये है, और डीजल के दाम 87.72 रुपये हैं। राजस्थान के जोधपुर में पेट्रोल का दाम 104.70 रुपये है, तो वहीं डीजल 91.20 रुपये पर बिक रहा है। चंडीगढ़ में आज पेट्रोल 94.24 रुपये है, तो वहीं डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है. जोधपुर में आज पेट्रोल का दाम 104.70 रुपये है, तो वहीं डीजल 91.20 रुपये बिक रहा है. जयपुर में आज पेट्रोल के दाम 104.88 हैं तो वहीं डीजल 90.36 रुपये है. पटना में आज पेट्रोल का रेट 105.18 रुपये है, तो वहीं डीजल के दाम 92.04 रुपये हैं.

भारत में ग्राहकों के लिए रेडमी ए3 एक्स लॉन्च

-मेटालिक कलर के साथ सेंट्रली अलाइंड कैमरा मॉड्यूल मौजूद

नई दिल्ली ।

चाइनीज कंपनी शाओमी ने अपने ग्राहकों के लिए रेडमी ए3 एक्स को लॉन्च किया है। फोन में 3जीबी रैम और 64जीबी स्टोरेज दी गई है।इस फोन में 90 एचझेड रिफ्रेश रेट वाली 6.71-इंच की स्क्रीन दी गई है, जबकि रियर पैनल ग्लास से ढका हुआ है और इसमें मेटालिक कलर के साथ सेंट्रली अलाइंड कैमरा मॉड्यूल मौजूद है। कंपनी का ये लेटेस्ट मोबाइल ए सीरीज़ का लेटेस्ट मॉडल है, और इसमें यूनिसोक टी603 मोबाइल प्रोसेसर मिलता है। शाओमी रेडमी ए3 एक्स एंड्रॉयड 14 पर काम करता है, और पावर के लिए फोन 5,000 एमएएच की बैटरी दी गई है, जो 15 वॉट चार्जिंग को सपोर्ट करती है।डुअल-सिम वाला रेडमी ए3 एक्स एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड एमआईयूआई 14 आउट-ऑफ-द-बॉक्स पर काम करता है।इस फोन में 90॥5 रिफ्रेश रेट और गोरिल्ला ग्लास 3 की प्रोटेक्शन मिलती है, और इसमें 6.71-इंच की एलसीडी स्क्रीन दी गई है।कंपनी ने रेडमी ए3 एक्स को ऑक्टा कोर यूनिसोक टी603

3जीबी रैम के साथ जोड़ा गया है। बैटरी के तौर पर इस फोन मे 5000 एमएएच बैटरी के साथ 15वॉट की चार्जिंग मिलती है।

कनेक्टिविटी ऑप्शन के तौर पर इस फोन में 4जी एलटीई, वायफाय, ब्लूटूथ 5.4, जीपीएस और एक यूएसबी टाइप-सी पोर्ट मिलता है।इस फोन में बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन के लिए साइड माउंटेड फिंगरप्रिंट स्कैनर दिया गया है। फोन का साइज़ 168.3गुणा 76.3गुणा 8.3 एमएम और वजन 199 ग्राम है.कैमरे के तौर पर आपको इस रेडमी ए3 एक्स पर 8 मेगापिक्सल का रियर कैमरा मिलता है।साथ में एक सेकेंडरी कैमरा भी मिलता है।फोन मे यूज़र्स को वॉटरड्रॉप स्टाइल नॉच में 5-मेगापिक्सेल का सेल्फी कैमरा दिया गया है, और इससे यूज़र्स को जबरदस्त वीडियो

ठंड से सामंजस्य बिठाने के लिए भारतीय खिलाड़ियों ने ट्रेनिंग शुरु की

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। । दूधिया रोशनी में दो महीने तक आईपीएल में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम ने विराट कोहली के बिना टी20 विश्व कप के लिए यहां सुबह ट्रेनिंग सत्र के साथ अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। टी20 विश्व कप में भारत के सभी शुरूआती मैच सुबह साढ़े 10 बजे शुरू होंगे इसलिये सुबह के ट्रेनिंग सत्र को तवज्जो दी गयी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बाहर होने के बाद कोहली ने व्यक्तिगत काम के लिए ब्रेक लिया है और उनके शुक्रवार को टीम से जुड़ने की संभावना है। लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि वह लंबी यात्रा के बाद शनिवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले भारत के एकमात्र अभ्यास मैच में हिस्सा लेंगे या नहीं।

भारत में तेज गर्मी में 90 प्रतिशत मैच खेलने के बाद खिलाड़ी यहां सुबह के खुशनुमा मौसम के अनुरूप ढलने पर ध्यान लगायेंगे क्योंकि यहां तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस रहता है जिसमें बहुत कम आद्रता होती है। सुबह हल्की हवा में सफेद कूकाबूरा गेंद का सामना करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है और इसके लिए पूरी तरह से तैयार रहना होगा। यात्रा की थकानके बाद खिलाड़ियो को सुबह की इन परिस्थितियों के अनुरूप ढलना होगा। इसलिये सहयोगी स्टाफ ने नासाऊ काउंटी मैदान पर अभ्यास पिचों पर नेट सत्र में कौशल ट्रेनिंग शुरू करने से पहले खिलाड़ियों को परिस्थितियों के हिसाब से सामंजस्य बिठाने में मदद करने का फैसला किया।

टीम के 14 खिलाड़ियों ने शुरूआत हल्की 'जांगिग' से की, इसके बाद 'शटल रन' लगायी और कुछ 'फुट वॉली' भी की। स्ट्रेंथ एवं कंडिशनिंग कोच सोहम देसाई ने 'बीसीसीआई डॉट टीवी' से कहा, ''वे ढाई महीने हमारे साथ नहीं थे जिससे हमारा लक्ष्य है कि पता किया जाये कि वे अभी किस स्थिति में हैं और विश्व कप से पहले क्या करने की जरूरत है। पहला लक्ष्य धूप में 45 मिनट बिताने का है।'' उन्होंने कहा, ''खिलाड़ी 'टाइम जोन' के अनुकूल हो रहे हैं। आज हम अपना पहला मैदानी सत्र कर रहे हैं।''

खिलाड़ियों में न्यूयॉर्क में क्रिकेट खेलने की जिज्ञासा है। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के अपने दौरों पर फ्लोरिडा में फोर्ट लॉडरहिल मैदान पर खेल चुकी है। आल राउंडर रविंद्र जडेजा ने कहा, ''पहली बार हम न्यूयॉर्क में क्रिकेट खेलेंगे, यह मजेदार होगा।'' उन्होंने कहा, ''हमने अभी तक क्रिकेट नहीं खेला है, हम आज यहां टीम गतिविधियों के लिए आये हैं। उम्मीद है कि यह अच्छा होगा। मौसम बहुत अच्छा है।'' उप कप्तान हार्दिक पंड्या खिली धूप और अच्छे मौसम से उत्साहित दिखे जबकि सूर्यकुमार यादव वहां के प्रवासी लोगों की क्रिकेट में दिलचस्पी के बारे में जानना चाहते थे।

सूर्यकुमार ने कहा, ''मैंने सुना है कि अमेरिका में क्रिकेट लोकप्रिय हो रहा है। इसलिये हम वास्तव में काफी उत्साहित हैं और पहला दिन शानदार था। इसलिये आने वाले दिनों के लिए काफी उत्साहित हैं।'' 2007 की चैम्पियन भारतीय टीम अपना टी20 विश्व कप

अभियान पांच जून को यहां आयरलैंड के खिलाफ करेगी जिसके बाद नौ जून को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ बड़ा मुकाबला होगा। इसके बाद भारतीय टीम का सामना 12 जून को मेजबान अमेरिका से होगा जिसके बाद वे फ्लोरिडा में लॉडरहिल में 15 जून को कनाडा से भिड़ेंगे। भारत ग्रुप में किसी भी स्थान पर रहे, उसे ए 1 में रखा जायेगा। फिर टीम टूर्नामेंट के सुपर आठ चरण के लिए कैरेबियाई सरजमीं पर रवाना होगी जहां वह आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और श्रीलंका से भिड़ेगी। भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी 26 मई को चेन्नई में हुए आईपीएल फाइनल में नहीं खेला था।

अपने आखिरी मैच से पहले बोले सुनील छेत्री- अपने खेल और टीम का ऋणी रहूंगा

कोलकाता (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहने की दहलीज पर खड़े भारत के करिश्माई कप्तान सुनील छेत्री ने बुधवार को कहा कि वह अपने साथी खिलाड़ियों और खेल के हमेशा ऋणी रहेंगे जिन्होंने हमेशा उनकी मदद करके इस मुकाम तक पहुंचाया। भारतीय टीम छह जून को कुवैत के खिलाफ 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर खेलने यहां पहुंच गई है। छेत्री का यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा।

छेत्री ने यहां पहुंचने पर कहा, 'ये आखिरी कुछ दिन है जो मेरे लिये दुविधा से भरे हैं। अब राष्ट्रीय टीम में मेरे कुछ ही दिन रह गए हैं । समझ नहीं आता कि हर दिन, हर अभ्यास सत्र की गिनती करूं या बिना इस बारे में सोचे खेलूं।' भारत के लिए 150 मैचों में 94 गोल करने वाले छेत्री ने कहा, 'मैंने अपने सत्र गिनने का फैसला किया है लेकिन कृतज्ञता के भाव से। कोई चिंता नहीं है बल्कि मैं अपनी टीम और इस खेल के प्रति सदैव ऋणी रहूंगा।'

वैसे तो फुटबॉल के दीवाने कोलकाता में भारतीय टीम के हर मुकाबले को लेकर रोमांच रहता है लेकिन यह मुकाबला अहम है। अगर भारत जीतता है तो पहली बार फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में पहुंच जाएगा। इसके साथ ही एएफसी एशियाई कप सउदी अरब 2027 के लिये स्वत~क्वालीफाई करने की दिशा में अगला कदम बढ़ाएगा।

रोहित और विराट करियर के अंतिम दौर में आईसीसी खिताब जीतने उतरेंगे

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के पास 13 साल के बाद टीम को आईसीसी ट्रॉफी जिताने का अच्छा अवसर है। इन दोनो की ही उम्र 35 के ऊपर हो गयी है। ऐसे में अगले विश्वकप तक इनके टीम में रहने की संभावना नहीं है। इसलिए दोनो ही अपने करियर के अंतिम दौर में आईसीसी खिताब जीतना चाहेंगे।

अगला टी20 विश्व कप 2026 में है जिसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करेंगे लेकिन तब रोहित 40 बरस के होने वाले होगे और कोहली 38 वर्ष के होंगे। वहीं एकदिवसीय 50 ओवर प्रारूप का विश्व कप इसके एक और साल बाद होगा। खेल की स्ट्राइक रेट से जुड़ी प्रकृति में लगातार इजाफा हो रहा है और इसे देखते हुए इन दोनों को इनमें से किसी में भी खेलते हुए देखना संभव नहीं है। इसलिए रोहित और कोहली दोनों इस बार जीत के साथ विदा लेना चाहेंगे। अगर वे ऐसा कर पाते हैं तो यह 2007 टी20 विश्व कप और 2011 में 50 ओवर के विश्व कप के बाद उनका दूसरा विश्व खिताब होगा। और यह उन दो खिलाड़ियों के लिए एक बेहतरीन विदाई होगी जिन्होंने पिछले 17 वर्षों में भारत के सीमित ओवरों के क्रिकेट को प्रभावित किया है। रोहित ने सफेद गेंद के प्रारूपों में अपनी अलग पहचान बनाई पर वह अपने करियर में अधिकांश समय टेस्ट क्रिकेट में वह सफलता हासिल नहीं कर पाया। करियर के दूसरे हाफ में सलामी बल्लेबाज की भूमिका में हालांकि रोहित ने टेस्ट क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन किया। लेकिन कोहली और रोहित को टी20 विश्व कप में भारत के अभियान को आगे बढ़ाने के लिए इस प्रारूप में अपने विशाल अनुभव पर निर्भर रहना होगा।

टीम इंडिया का हेड कोच बनने पर गौतम गंभीर का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई ने अभी तक टीम इंडिया के हेड कोच के नाम की घोषणा नहीं की है। जिसके बाद टी20 वर्ल्ड कप के बाद भारतीय टीम का कोच कौन होगा ये सवाल अभी भी सभी के दिमाग में है। हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस सप्ताह केकेआर की तीसरी खिताबी जीत के मेंटॉर रहे गौतम गंभीर को इस पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इन चर्चाओं के बीच अब गौतम गंभीर की प्रतिक्रिया सामने आई है।

वहीं तमाम चर्चाओं के बीच गौतम गंभीर ने स्पोर्ट्स्कीड़ा के साथ एक शो के दौरान बाचतीच की। जिसमें उनसे उनके भविष्य के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने उसका बड़ा ही सरल जाह दिया।

दरअसल, उनसे पूछा गया कि गंभीर के लिए आगे क्या? जिस पर उन्होंने जवाब दिया कि, मेरे लिए, अब मेरे परिवार के साथ छुट्टियां हैं।

हालांकि, गंभीर के लिए भारत का कोच बनना आसान नहीं होने वाला है, जितना कि उनके लिए लखनऊ सुपर जायंट्स और केकेआर में जाना आसान था। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो गंभीर सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। भारतीय कोचिंग के इतर भी उनके पास एक सफल टेलीविजन विशेषज्ञ और अब एक समान रूप से सफल कोच और सलाहकार के रूप में करियर के कई अवसर हैं। अब अगर वह भारतीय टीम के कोच बनते हैं तो उनको बाकी सभी ड्यूटियों से खुद को मुक्त करना होगा।

टी20 विश्व कप में जीत की सबसे बड़ी दावेदार है भारतीय टीम : मोर्गन

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा है कि भारतीय टीम अगले माह होने वाले टी20 विश्व कप में जीत की सबसे बड़ी दावेदार है। मोर्गन के अनुसार भारतीय टीम हमेशा ही खिताब के दावेदार के तौर पर उतरती है। गत वर्ष हुए एकदिवसीय विश्वकप में वह खिताब के करीब होकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी थी। ऐसे में अब उसका लक्ष्य हर हाल में खिताब जीतना रहेगा। मोर्गन का मानना है कि भारतीय टीम के पास काफी प्रतिभा है। इसके साथ ही टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी में गहरायी है। भारतीय टीम में तकरीबन वही खिलाड़ी हैं जो एकदिवसीय विश्वकप में थे। हालांकि युवा यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और संजू सैमसन जैसे खिलाड़ियों को इस बार टीम में जगह मिली है। मोर्गन ने कहा, ''टूर्नामेंट में भारतीय टीम सबसे मजबूत है। उनकी मजबूती और गइराई शानदार है। वे मेरे लिए प्रबल दावेदार हैं, कागजों पर उनका स्तर काफी अच्छा है। जिसके अगर वे मैदान में अमल में लाते हैं तो वे टूर्नामेंट में किसी को भी आसानी से हरा सकते हैं।'' भारतीय टीम के पास इतने अधिक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं कि शुभमन गिल खिलाड़ी को भी रिजार्व में ही जगह मिल पायी है। मोर्गन ने कहा, ''अगर मैं टीम का चयन कर रहा होता तो मैं यशस्वी जायसवाल की जगह शुभमन गिल को वरीयता देता। मैं उसके साथ खेला हूं, मुझे पता है कि वह कैसे सोचता है। मुझे पता है कि वह कैसे काम करता है।'' भारत लगभग हर टूर्नामेंट में प्रबल दावेदार के रूप में उतरता है लेकिन एक दशक से अधिक समय से वह आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाया है। ऐसे में इस बार उसका लक्ष्य किसी भी तरह से जीत दर्ज करना रहेगा।

टी20 विश्व कप में भारत-पाक मैच पर आतंकी हमले का खतरा

मुम्बई (ईएमएस)। टी20 विश्व कप में सभी प्रशंसक 9 जून को होने वाले भारत-पाकिस्तान मुकाबले का इंतजार कर रहे है पर वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले इस मैच में आतंकी हमले का खतरा भी मंडरा रहा है। ये आशंका आईएसआईएस के एक धमकी वाली संदेश से पैदा हुई है। इससे आयोजकों की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। आयोजकों के साथ ही इवेंट से जुड़े लोगों और टूर्नामेंट के लिए तैयार क्रिकेट प्रशंसकों के मन में भी डर व्याप्त हो गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार आईएसआईएस के सदस्यों ने अपने भड़काऊ संदेश में अपने आतंकियों से कहा , अपने हथियार तैयार करो, अपनी योजना बनाओ, और फिर उन्हें अंजाम दो। यह संदेश विशेष रूप से टी20 विश्व कप को लेकर आया है। इंटरनेट पर प्रसारित एक ग्राफिक पोस्टर का उपयोग करते हुए इस आतंकवादी संगठन का एक व्यक्ति राइफल के साथ नजर आया। साथ ही उसने अपनेसंदेश में कहा, आप मैचों का इंतजार करें और हम आपका इंतजार करेंगे। इससे पहले भी इस प्रकार की धमकी आईएसआईएस ने दी थी जिसके बाद जमैका सरकार ने कहा था कि सुरक्षा के सभी इंतजाम किये जाएंगे। साथ ही कहा था कि प्रशंसकों को डरने की जरुरत नहीं है। इस मामले में आईपीसी ने भी कहा था कि सुरक्षा में कोई कमी नहीं रहेगी।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीम इंडिया को करना होगा पाकिस्तान का दौरा

नई दिल्ली । चैंपियंस ट्रॉपी 2025 पर बीसीसीआई और पीसीबी के बीच लटकी तलवार हटने का नाम ही नहीं ले रही है। टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान के पास है, लेकिन अगर मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो टीम इंडिय पाकिस्तान का दौरान नहीं करेगी। हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस बात को ध्यान में रखते हुए टूर्नामेंट की तैयारी कर रहा है टीम इंडिया उनकी मेजबानी में खेली जाने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए आएगी। इस महीने की शुरुआत में भारतीय क्रिकेट बोर्ड यानी बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा था कि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया का पाकिस्तान जाना सरकार के फैसले पर निर्भर करेगा। हालांकि, बावजू पाकिस्तान किसी भी तरह के प्लान बी की तरफ नहीं देख रहा है। जैसे 2023 में खेला गया एशिया कप हाइब्रिड मॉडल में हुआ था। पाकिस्तान उस तरह का कोई प्लान नहीं बना रहा है। बता दें कि, एशिया कप 2023 की मेजाबनी भी पाकिस्तान के पास थी, लेकिन टीम इंडिया ने टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान का दौरान नहीं किया था। टीम इंडिया के इंकार के बाद एशिया कप को हाइब्रिड मॉडल के तहत करवाया गया था। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के सभी मैच श्रीलंका की मेजबानी में खेले थे, इसके अलावा एशिया कप के नॉकआउट मैच भी श्रीलंका में ही खेले गए थे। वहीं एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी किसी भई तरह के प्लान बी की तैयारी नहीं कर रहा है। पाकिस्तान बोर्ड इसी बात की उम्मीद लगाए हुए है कि टीम इंडिया टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगी। पाक बोर्ड ने हाइब्रिड मॉडल को अपनाने से इनकार किया है। साथ ही रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि, पाकिस्तान बोर्ड किसी दूसरे देश के साथ हाइब्रिड मॉडल को लेकर भी बात नहीं कर रहा है, जिससे भारतीय टीम कहीं और टूर्नामेंट के मैच खेल सके, जैसे एशिया कप 2023 में हुआ था। पाकिस्तान की तैयारी के मुताबिक टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले लाहौर में खेलने हैं।

अपने कदमों पर तो खड़ा हो गया, अभी इंडिया के लिए खड़ा होना बाकी है: ऋषभ पंत

मुबंई (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 के आधिकारिक प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स ने स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के साथ एक प्रोमो लॉन्च किया है। स्टार स्पोटर्स ने बुधवार को ट्वीट कर प्रोमो का वीडियो शेयर किया है जिसमें पंत के साथ बैकग्राउंड म्यूजिक के साथ कहा जा रहा है, 'दिल में एक कसक अभी बाकी है, दिल में एक धड़क अभी बाकी है, अपने कदमों पर तो खड़ा हो गया, अभी इंडिया के लिये खड़ा होना बाकी है।' वीडियो में ऋषभ पंत देश को गर्व, खुशी और आशा के साझा बैनर के तहत एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं। टीम इंडिया आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में सबसे बड़े क्रिकेट गौरव के लिए तैयार है। यह देश और दुनिया के हर कोने में रहने वाले प्रत्येक भारतीय के लिए एक भारत के रूप में खड़े होने का समय है। यह हम भारतीयों के लिए समय है कि हम राष्ट्रगान के लिए एक भारत के रूप में एक साथ खड़े हों, नीले कपड़ों में मौजूद लोगों के प्रति अपना विश्वास व्यक्त करें और उनके साथ खड़े हों, जो हमारे देश का प्रतिनिधित्व कर रहे है।

कोहली-जायसवाल टी20 वर्ल्ड कप में ओपनिंग करें, रोहित-स्काई इस नम्बर पर उतरें : वसीम जाफर

नई दिल्ली(एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने कहा कि विराट कोहली और यशस्वी जायसवाल को आगामी टी20 विश्व कप 2024 में मेन इन ब्लू की ओर से ओपनिंग करनी चाहिए। टी20 विश्व कप एक से 29 जून तक वेस्टइंडीज और यूएसए में खेला जाएगा। मेन इन ब्लू एक जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश के साथ अपना एकमात्र अभ्यास मैच भी खेलेगा।

जाफर ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर कहा कि रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव को तीसरे और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आना चाहिए। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने स्पिन को अच्छी तरह से खेलने के लिए रोहित की प्रशंसा की। जाफर ने एक्स पर लिखा, 'कोहली और जायसवाल को विश्व कप में ओपनिंग करनी चाहिए (मेरी राय में)। रोहित और स्काई (सूर्यकुमार) को हमें मिलने वाली शुरुआत के आधार पर 3 और 4 नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। रोहित स्पिन को बहुत अच्छी तरह से खेलते हैं इसलिए 4 नंबर पर बल्लेबाजी करना चिंता का विषय नहीं होना चाहिए।'

भारत अपना टी20 विश्व कप अभियान 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ न्यूयॉर्क में नवनिर्मित नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शुरू करेगा। इस बीच भारत और पाकिस्तान के बीच सबसे प्रतीक्षित ब्लॉकबस्टर मुकाबला 9 जून को होगा। वे बाद में टूर्नामेंट के सह-मेजबान यूएसए (12 जून) और कनाडा (15 जून) के साथ अपने ग्रुप ए मैचों को समाप्त करेंगे।

भारतीय टीम = रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), संजू सैमसन (विकेट कीपर), शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज। रिजर्व~ शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और आवेश खान।

ढाणे में कबड्डी खिलाड़ी की हत्या, कोच गिरफ्तार

ढाणे । महाराष्ट्र के ढाणे शहर में पुलिस ने एक युवा खिलाड़ी की हत्या के आरोप में कबड्डी कोच को गिरफ्तार किया है एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 17 वर्षीय कबड्डी खिलाड़ी का शव 24 मई को शहर के कोलशेट इलाके में उसके घर से बरामद होने के बाद मंगलवार को नवी मुंबई के घनसोली से गणेश घंबीरराव (23) को गिरफ्तार किया गया। घंबीरराव ने पुलिस को बताया कि वह इस बात से परेशान था कि किशोरी दूसरे लड़कों से बात करती थी। घंबीरराव उसके घर गया और उसके साथ झगड़ा किया। उन्होंने बताया कि इसके बाद आरोपी ने रस्सी से उसका गला घोंट दिया और चाकू से वार किए। कपूरबावड़ी पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने कहा कि जांच के दौरान, परिवार के सदस्यों ने कबड्डी कोच पर शक जताया था।

जोकोविच फ्रेंच ओपन में हर्बर्ट को हराकर दूसरे दौर में पहुंचे

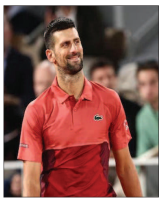

पेरिस । सार्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच फ्रांस के पियरे ह्यूजेस हर्बर्ट को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गए है। मंगलवार को यहां दुनिया के नम्बर वन टेनिस खिलाड़ी जोकोविच ने दो घंटे 33 मिनट तक चले मुकाबले में ह्यूजेस हर्बट पर 6-4, 7-6, 6-4 से जीत दर्ज की। जोकोविच की 93वीं जीत है। जोकोविच रोलां गैरो पर तीन बार के विजेता हैं और अपनी नंबर एक रैंकिंग बचाने के लिए उन्हें एक बार फिर फाइनल में जगह बनानी होगी। दूसरे दौर में जोकोविच का मुकाबला स्पेन के खिलाड़ी रॉबटर कारबेलास बेइना से होगा।

अर्जेंटीना की महिला फुटबॉल टीम में उठा विवाद

ब्यूनस आयर्स । अर्जेंटीना की राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम में विवाद के कारण तीन खिलाड़ियों ने नहीं खेलने की घोषणा कर दी है। इसमें गोलकीपर लॉरिना ओलिविरोस, डिफेंडर जूलिएटा क्रूज और मिडफील्डर लोरेना बेनिटेज जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं अर्जेंटीना को तीन जून को कोस्टा रिका के खिलाफ एक मैत्री मैच खेलना है। ऐसे में उसकी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। टीम छोड़ने वाली खिलाड़ियों ने बेतन बढ़ाने के साथ ही बेहतर सुविधाएं मांगी हैं। क्रूज ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''हम एक ऐसी जगह पर पहुंच गए हैं जहां हम मांगते-मांगते थक गए हैं, हमें महत्व नहीं दिया जा रहा, हमारी बात नहीं सुनी जा रही और इससे भी खराब बात ये है कि हमारा अपमान हो रहा है। उन्होंने कहा, ''हमें अर्जेंटीना की महिला फुटबॉल राष्ट्रीय टीम में सुधार की जरूरत है और हम केवल पैसे के बारे में ही बात नहीं कर रहीं बल्कि इस दौरान मिलने वाले खाने पर भी बात कर रही हैं।'' क्रूज और बेनिटेज ने कहा कि राष्ट्रीय टीम के ट्रेनिंग सत्र के दौरान पर्याप्त पौष्टिक भोपन नहीं मिल रहा है। इसके अलावा फुटबॉल संघ ने उन्हें बताया कि दो मैत्री मैचों के लिए भुगतान भी नहीं किया जाएगा क्योंकि ये मुकाबले घरेलू मैदान पर होंगे।

टी20 विश्व कप : सचिन तेंदुलकर के भारत-पाक मैच में मौजूद रहने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय क्रिकेट टीम को एक बहुत ही खास व्यक्ति का समर्थन मिलेगा, क्योंकि दिग्गज सचिन तेंदुलकर के 9 जून को न्यूयॉर्क में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप के मैच के दौरान मौजूद रहने की उम्मीद है।

आईसीसी के साथ मिलकर काम करने वाले एक सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, %हां, अगर सब कुछ ठीक रहा, तो सचिन न्यूयॉर्क में मैच देखेंगे और भारतीय टीम का उत्साहवर्धन करेंगे। यह अभी भी ज्ञात नहीं है कि वह खेल से पहले खिलाड़ियों से मिलेंगे या नहीं, लेकिन स्टैंड में उनकी मौजूदगी रोहित शर्मा और उनकी टीम के लिए मनोबल बढ़ाने वाली होगी, जो कि सबसे महत्वपूर्ण ग्रुप लीग मैच होगा।'

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक के सबसे महान भारतीय क्रिकेटर तेंदुलकर अभी भी टेस्ट और वनडे क्रिकेट दोनों में रन बनाने के मामले में शीर्ष पर हैं। उन्होंने 1992 से 2011 के बीच छह 50 ओवर के विश्व कप खेले हैं। इससे पहले वे ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2015 के वनडे विश्व कप के दौरान आईसीसी के 'ब्रांड एंबेसडर' भी रह चुके हैं।

एक जून को बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच से पहले अधिकांश भारतीय खिलाड़ी न्यूयॉर्क पहुंच चुके हैं। टीम ने कुछ दिनों के आराम के बाद हल्का प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। उप-कप्तान हार्दिक पांड्या ने न्यूयॉर्क से कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें टीम को हल्की जॉगिंग करते हुए देखा जा सकता है। इससे पहले भारत के खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे और अर्शदीप सिंह सैर-सपाटे के लिए न्यूयॉर्क की सड़कों पर निकले थे। तीनों ने प्रशंसकों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं।

आखिर कब होगा डिंडोली में अवैध बिल्डींग का डिमोलिशन ?

सुरत भुमि, सूरत। डिंडोली में आए दिन अलग-अलग शहरों में एक ना एक हादसे होते हैं उसके बाद कुछ दिनों तक प्रशासन अपनी ऑफिस छोड़कर रोड पर रहते है। कागजी कार्रवाई करते हैं फिर बंद बस्ते में सब का सारा रिकॉर्ड रख दिया जाता है। कुछ वर्षों पहले तक्षशिला कांड हुआ उसके बाद सूरत महानगरपालिका के अधिकारियों द्वारा कागज पर दिखाने के लिए कुछ कार्रवाई की गई लेकिन उसके बाद फिर वह अपने ही धुन में काम करने लगे। फिर कुछ दिनों बाद मोरबी में घटना घटित हुई फिर सूरत महानगरपालिका थोड़े बहुत दिखावे के लिए कार्रवाई की लेकिन फिर वही कहानी कुछ दिनों बाद सब एक जैसा हो जाता है। लगातार हादसे हो रहे हैं फिर भी सूरत महानगरपालिका सो रही है। अभी राजकोट के गेम जोन में भीषण आगजनी हुई जिसको लेकर सूरत महानगरपालिका एक बार फिर एक्शन में है लगातार छोटी-मोटी दुकानों, नाश्ते की दुकानों स्कूलों में सील मार रही है, वहीं अवैध रूप से बनी हैं **डिंडोली में बाबा मेमोरियल हॉस्पिटल जिस पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई वहीं प्रियंका समिति में बनी दुकानों पर भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।**

ऐसी बहुत सी अवैध इमारत है लेकिन सूरत महानगरपालिका द्वारा कोई भी कार्रवाई नहीं की जा रही है, शायद अभी भी कुछ बड़ी दुर्घटना होने का राह देखी जा रही है ?

राजकोट हादसे के बाद भी नींद में सो रहे है लिंबायत जोन के जवाबदार अधिकारी

राजकोट के गेमिंग जोन में हुए अग्निकांड के बाद दौड़ते नजर आए सूरत में अधिकारी

सूरत। पिछले हफ्ते राजकोट में हुए अग्निकांड में 27 लोगों की मृत्यु के बाद राज्य भर के सभी सरकारी अधिकारियों की आंखें खुली।

इसी कड़ी में सूरत में बुधवार के दिन 5 गेम जोन के 14 लोगों को लोगों के खिलाफ कंप्लेंट लिखी गई। इन सभी गेम जोन में फायर एनओसी न होने के कारण कंप्लेंट लिखी गई थी। सूरत महानगरपालिका फायर विभाग पुलिस और डीजीवीसीएल की टीमों द्वारा जगह-जगह चेकिंग की जा रही है। इन गेमिंग जोन में महानगर पालिका के प्लान के हिसाब से फायर एग्जिट का दरवाजा भी नहीं बनाया गया था।

इन गेम जोनों के खिलाफ कंप्लेंट दर्ज हुई

1) रांधेर के द ग्रेट फन एम्यूजमेंट पार्क,

2) पाल में फेंटेसिया 2

3) डुमस रोड पर स्थित शॉर्ट्स गेम जोन

4) वेसु का रिबाउंस गेम जोन

5) वेसू में स्थित ब्लैक बनी एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड

इन सभी जगह के मालिक और मैनेजर को मिलाकर कुल 14 लोगों के खिलाफ कंप्लेंट दर्ज की गई है। इतना ही नहीं कई सारे अवैध बिल्डिंग , स्कूलों और दुकानों में फायर एनओसी या फायर एग्जिट ना होने के कारण उन्हें सील कर दिया गया है।

इकार्ट की 'रिफिनिश सर्विस' रिटर्न को अवसरों में बदलकर नए उद्योग मानक स्थापित करने के लिए तैयार है

बेंगलुरु। भारत की अग्रणी 4PL सप्लाई चेन कंपनी ईकार्ट ने विशेष रूप से फैशन और लाइफस्टाइल क्षेत्र में रिटर्न प्रबंधन की चुनौतियों का सामना करने के लिए एक व्यापक चरिफिनिश सर्विसज्ञ विकसित की है। यह पहल कुशल और टिकाऊ रिटर्न लॉजिस्टिक्स प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण छलांग का प्रतीक है, जो ब्रांड की पुनर्विक्रय योग्य इन्वेंट्री के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करती है।

ऐसे युग में जहां ग्राहकों की वापसी फैशन ब्रांडों के लिए एक बड़ी चुनौती है, ईकार्ट की रिफ़िनिश सेवा उन उत्पादों के लिए एक वैकल्पिक समाधान के रूप में उभरी है जिन्हें घर पर आज़माया गया है या जिनमें मामूली खामियां हैं, खासकर कपड़े और जूते जैसे उत्पादों के लिए। 90 प्रतिशत से अधिक लौटी ईवेंटरी का नवीनीकरण करके, ईकार्ट संभावित ब्रांड हानि को कम करने और राजस्व क्षमता बढ़ाने में सक्षम है। यह सेवा फैशन और लाइफस्टाइल श्रेणियों में डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर (डीटीसी), ई-कॉमर्स और खुदरा खिलाड़ियों को लक्ष्य करके शुरू की गई है। फैशन और लाइफस्टाइल ब्रांडों के अलावा, ईकार्ट की रिफिनिश सेवा जूते, हैंडबैग, सहायक उपकरण और घर और सजावट जैसे उद्योगों में भी विस्तार कर रही है, जिसमें पर्दे, बेडशीट, कंबल आदि जैसे उत्पाद शामिल हैं।

ईकार्ट की संयुक्त प्रसंस्करण क्षमता प्रति दिन 55,000 इकाइयों की है, उनके पास श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ मशीनरी और ऊर्जा संरक्षण तकनीक भी है। एकार्ट की रिफिनिशिंग प्रक्रिया सुविधा में रिफर्बिशिंग उत्पादों की उत्कृष्टता को सत्यापित करने के लिए सख्त गुणवत्ता जांच, दाग हटाना, बॉक्स प्रतिस्थापन, इस्त्री, सिलाई (यदि आवश्यक हो) और अंतिम गुणवत्ता जांच शामिल है। एकार्ट की रिफ़िनिशिंग सेवा एक वैयक्तिकृत रिफ़िनिशिंग समाधान के लिए भी प्रतिबद्ध है, जो प्रत्येक ब्रांड की परिभाषित मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन करती है। इसके द्वारा वह यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक उत्पाद सर्वोत्तम परिणामों के लिए उचित प्रक्रिया से गुजरे।

वेसु आगमोद्धारक धनेरा आराधना भवन सहस्त्रावधानी जैन मुनि अजित चंद्रसागरजी म.सा. जश्न मनाया

सूरत । वेसू स्थित नवनिर्मित आगमोद्धारक धनेरा आराधना भवन में बुधवार को एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया।

हाल ही में 1 मई को सहस्त्रावधानी की विश्व रिकॉर्ड ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने वाले डॉ अजीत चंद्रसागर महाराज महाराज के आगमन पर 8,000 से अधिक लोगों की उपस्थिति में एनएससीआई ग्राउंड, मुंबई में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। इस अवसर पर व्याख्यान वक्ता आचार्यश्री सागरचंद्र सागर सूरीश्वरजी ने बचपन की चंचलता से लेकर युवा ऋषि बनने की चमत्कारी उपलब्धि तक ऋषि सहस्त्रावधानी की ज्ञान यात्रा का वाक्पटु वर्णन किया। वर्तमान दुनिया भौतिक साधनों के पीछे भागती है जबकि साधना से प्राप्त यह ज्ञान आज सभी को सोचने पर मजबूर कर देता है। इस अवसर पर अतिथि के रूप में महापौर श्री दक्षेश मावानी उपस्थित थे।

सहस्त्रावधानी मुनि श्री के गुरुदेव शिष्य शिल्पी नयचंद्रसागर सूरी जी ने सरस्वती साधना द्वारा किए गए शोध और बच्चों में आए बदलाव के बारे में बताया कि उनके परिवार पर 10 से अधिक ऋषियों का आशीर्वाद है। मौन-ध्यान और आत्म-जागरूकता के माध्यम से विनय विवेक और स्थिरता प्राप्त करें स्मृति-धारणा-ध्यान के अरबों प्रयोगों का संगम शक्ति का अर्थ है सहस्त्रावधानी जल्द ही यह सरस्वती साधना एसएसआरएस के माध्यम से ऑनलाइन शुरू की जाएगी 5000 विद्यार्थियों तक पहुंची साधना पांच साल में पांच लाख से अधिक बच्चे तक पहुंचेगी साधना, ऐसा है लक्ष्य। पू. सागरचन्द्र सागरसूरिजी, पूज्य सागरजी म., पूज्य अभय सागरजी म. ने अद्भुत उपलब्धियों के बारे में बताया। इसके बाद प्रोजेक्टर के माध्यम से हजारा अवधान की झलकियां दिखाने वाली क्लिपिंग दिखाई जानी थी। मुनिश्री के अभिनंदन के बाद वेसु में मूलनायक बने अभय पार्श्वनाथ प्रभु के कला संग्रह का भी लोकार्पण किया गया।

बजाज आलियांज लाइफ ने वित्त वर्ष 24 में अपने ग्राहक सर्वप्रथम वादे को पूरा करना रखा जारी

पुणे। भारत की अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 99.23त्न के क्लेम सेटलमेंट रेशियो के साथ पॉलिसीधारकों के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। यह आंकड़ा किसी नॉमिनी के सामने आने वाले सबसे कठिन समय के दौरान त्वरित और विश्वसनीय सहायता प्रदान करने के लिए कंपनी के समर्पण को रेखांकित करता है और सभी पॉलिसीधारकों को यह सुनिश्चित करता है कि कंपनी उनके परिवार के साथ खड़ी रहेगी और उनके जीवन के लक्ष्यों को ट्रैक पर रखेगी। क्लेम सेटलमेंट रेशियो एक महत्वपूर्ण मीट्रिक है जो ग्राहकों को यह समझने में मदद करता है कि कोई बीमा कंपनी अपने पॉलिसीधारकों के दावों का सम्मान कैसे करती है।

बजाज आलियांज लाइफ के एमडी और सीईओ तरुण चुघ ने कहा, ग्राहक सर्वप्रथम के अपने वादे पर खरा उतरने के लिए, बजाज आलियांज लाइफ ने प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने और अपने लोगों को सशक्त बनाने की दिशा में लगातार निवेश किया है। इन निवेशों पर हमारी सच्चाई तब सामने आती है जब हमारे पॉलिसीधारक का परिवार का कोई सदस्य दावे के लिए आगे आता है। हमारा नवीनतम दावा निपटान अनुपात दर्शाता है कि हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हमारा ध्यान इन अनुभवों को और बेहतर बनाने, नए जमाने की तकनीक और नवाचारों का लाभ उठाने पर रहेगा ताकि हमारे पॉलिसीधारकों के लिए जीवन लक्ष्यों को प्राप्त करने में सबसे भरोसेमंद बने रहें।

बजाज आलियांज लाइफ ने पिछले कुछ वर्षों में निरंतर वृद्धि प्रदर्शित की है, और प्रक्रियाओं में उनके निवेश ने व्यवसाय को बढ़ाने में मदद की है, इससे कंपनी को दावों को तेज़ी से निपटाने में भी मदद मिली है। कंपनी ने विभिन्न प्रयासों के माध्यम से अपने क्लेम सेटलमेंट में लगातार सुधार किया है, जैसे कि विशेषज्ञों द्वारा परिवार के सदस्यों को सहायता प्रदान करना, जो उन्हें पूरी प्रक्रिया के दौरान शिक्षित और सहायता कर सकते हैं, दावेदार के साथ निरंतर संचार करके उन्हें उनके क्लेम की स्थिति के बारे में अयडेट जानकारी देना।

बजाज आलियांज लाइफ ने ग्राहकों से किया अपना वादा पूरा करना जारी रखा है, और यह कुछ मील के पत्थरों के माध्यम से साफ दिखता है। वित्त वर्ष 2006 से वित्त वर्ष 2024 की अवधि के लिए, बजाज आलियांज लाइफ़ ने 2.8 लाख से अधिक व्यक्तिगत क्लेम का निपटारा किया, जिसकी कुल राशि 6400 करोड़ रुपये से अधिक थी। जीवन बीमा कंपनी की ताकत को दर्शाने वाले अन्य प्रमुख पैरामीटर तीसरे पक्ष के विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की गई रेटिंग है। बजाज आलियांज लाइफ ने लगातार चार वर्षों से ष्टक्रस्ढ्ढ द्वारा प्रदान की गई, स्थिर रेटिंग हासिल की है, जो विभिन्न व्यावसायिक मीट्रिक में कंपनी के मजबूत प्रदर्शन को दर्शाता है और पसंदीदा जीवन लक्ष्य सक्षमकर्ता के रूप में इसकी स्थिति को मजबूत करता है।

रिलायंस जनरल इंश्योरेंस ने लॉन्च किया रिलायंस पर्सनल एक्सीडेंट 360शील्ड

मुंबई। भारत में साधारण बीमा क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में से एक, रिलायंस जनरल इंश्योरेंस ने आज बड़े गर्व के साथ अपने नए प्रोडक्ट, रिलायंस पर्सनल एक्सीडेंट 360शील्ड के लॉन्च की घोषणा की है। यह एक पर्सनल एक्सीडेंट इंश्योरेंस पॉलिसी है, जिसे लोगों और उनके परिवारों को बेमिसाल सुरक्षा प्रदान करने के इरादे से डिज़ाइन किया गया है। यह सुरक्षा कवर वाकई बेहद खास है, जिसे आपको और आपके अपनों को न केवल व्यक्तिगत दुर्घटना के प्रभावों से बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, बल्कि यह दुर्घटना के बाद एक बड़े झटके के रूप में परिवार के सामने आने वाले गंभीर प्रभावों से भी सुरक्षा देता है।

इस पॉलिसी का उद्देश्य भारत के साथ-साथ दुनिया भर में दुर्घटना के प्रभाव से जुड़े सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर 360 डिग्री सुरक्षा मुहैया कराना है। यह पॉलिसी बिल्कुल अनोखी है जो सामान्य तौर पर दुर्घटना की वजह से विकलांगता या मृत्यु की स्थिति में मिलने वाले कवरेज से परे है, क्योंकि यह दुर्घटना के बाद के परिणामों और उससे जुड़ी लागतों का व्यापक रूप से समाधान पेश करती है। दुर्घटनाएँ कुछ ही पलों में लोगों की जिंदगी में उथल-पुथल मचा सकती है, जिससे इंसान न केवल शारीरिक रूप से घायल होता है, बल्कि तुरंत पैसों की ज़रूरत की वजह से स्थिति और भी तनावपूर्ण हो जाती है। यह पॉलिसी ज़रूरत के समय बीमाधारक और उनके परिवार की हर तरह से सहायता सुनिश्चित करती है, जिसमें अस्पताल में भर्ती होने से लेकर आउट-पेशेंट के खर्चों के लिए कवरेज के अलावा घर, वाहन और एजुकेशन लोन जैसी निजी एवं आर्थिक देनदारियों से लेकर कानूनी सहायता की व्यवस्था करने और इसके अलावा भी बहुत किसी चीजों का कवरेज शामिल है। दुर्घटना से जुड़ी तमाम बातों को शामिल करने वाली यह पॉलिसी सुनिश्चित करती है कि, आपके पास दुर्घटना से जुड़ी विभिन्न आकस्मिक ज़रूरतों के लिए ऑल-इन-वन कवरेज उपलब्ध हो। इसके अलावा, इस पॉलिसी में लाभ और क्षतिपूर्ति सुविधाएँ दोनों शामिल हैं, ताकि आपको हर तरह से सुरक्षा प्राप्त हो सके।

इस प्रोडक्ट के लॉन्च के मौके पर, रिलायंस जनरल इंश्योरेंस के सीईओ, श्री राकेश जैन ने अपनी राय जाहिर करते हुए कहा, "हम हर हाल में यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि, हमारा हर देशवासी और उनके परिवार लोग अचानक सामने आने वाली किसी भी तरह घटना से सुरक्षित रहें। रिलायंस पर्सनल एक्सीडेंट 360 शील्ड को इस तरह से डिजाइन किया गया है, जो जरूरी कवरेज प्रदान करने के साथ-साथ मुसीबत की घड़ी में हर तरह से सहायता भी प्रदान करता है। यह पॉलिसी लोन और ईएमआई की मजबूती से सुरक्षा के साथ आर्थिक बोझ को कम करती है, जिससे प्रभावित परिवार पैसों के तनाव के बजाय दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की सेहत पर विशेष ध्यान दे सके। इसके अलावा, यह पॉलिसी दुनिया भर में यात्रा के दौरान सुरक्षा मुहैया कराती है और व्यक्तिगत दुर्घटनाओं के लिए ग्लोबल कवरेज सुनिश्चित करती है। हमने ट्रॉमा काउंसलिंग, रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी जैसे लाभों और विशेष स्थितियों के लिए बेहतर कवरेज को एकजुट करके एक ऐसी पॉलिसी तैयार की है, जो सचमुच 360-डिग्री शील्ड होने के अपने वादे पर खरी उतरती है।"

यह पॉलिसी कई मूल्यवान ऐड-ऑन की पेशकश करके 360-डिग्री सुरक्षा कवच होने के अपने वादे को पूरा करती है, जिनमें एडवेंचर स्पोर्ट्स कवरेज, पूर्ण एवं आंशिक विकलांगता की स्थिति में लाभ, और दुर्घटनावश अस्पताल में भर्ती होने की सीमा की असीमित बहाली की सुविधा शामिल है। कोमा, गर्भपात और एयर एम्बुलेंस सेवाओं सहित कई विशेष परिस्थितियों के लिए पहले से बेहतर कवरेज, सही मायने में विस्तृत देखभाल के हमारे संकल्प को और मजबूत करते हैं। रू5 लाख से लेकर रू25 करोड़ तक के कवरेज विकल्पों के साथ, कोई भी व्यक्ति अपनी ज़रूरतों के हिसाब से सही विकल्प चुन सकता है। इसके अलावा, यह पॉलिसी ट्रॉमा काउंसलिंग (प्रति सत्र रू10,000 तक) और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी (रू10 लाख तक) के लिए भी कवरेज देती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि इस पॉलिसी के तहत पॉलिसीधारक सचमुच सुरक्षित हैं। इतना ही नहीं, पर्सनल एक्सीडेंट पॉलिसी जारी रखने से आपको हेल्थ इंश्योरेंस पर अपना नो-क्लेम बोनस बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

प्रिस्टीन केयर ने ऑर्थो स्पोर्ट के साथ की साझेदारी, स्पोर्ट इंजरी के लिए स्थापित करेंगे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

नई दिल्ली । स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने वाली अग्रणी कंपनी प्रिस्टीन केयर ने ऑर्थो स्पोर्ट के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के साथ स्पोर्ट इंजरी के लिए एक अत्याधुनिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की जाएगी। इस सहयोग का उद्देश्य आधुनिक टेक्नोलॉजी और एक्सपर्ट केयर की मदद से स्पोर्ट इंजरी का सबसे बेहतरीन उपचार और रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम पेश करना है।

4,000 वर्ग फीट में फैला यह नया सेंटर स्पोर्ट थेरेपी के क्षेत्र में नवीनतम सुविधाएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह सेंटर एक विस्तृत एथलीट रिहेबिलिटेशन प्रोग्राम पेश करेगा, जो चोटों से उबरने वाले एथलीटों की खास जरूरतों को पूरा करेगा। यह सेंटर स्पोर्ट मेडिसिन के क्षेत्र की अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है, जिससे खिलाड़ियों की बेहतर रिकवरी हो, साथ ही उनकी परफॉर्मेंस को बेहतर बनाया जा सके।

इस सेंटर में एडवांस सर्जिकल टूल्स जैसे इंटरनल ब्रेस के साथ एसीएल रिपेयर, एसीएल रिकंस्ट्रक्शन क्वाडप्रो™ हार्वेस्टर, इंटरनल ब्रेस और फाइबरटैग0 टाइटरोप0 इम्प्लांट्स, ऑटोकार्ट कार्टिलेज ट्रांसप्लांट का उपयोग किया जाएगा। इन टूल्स की मदद से यह सेंटर केयर और प्रिसिजन के उच्चतम मानक स्थापित करेगा।

प्रिस्टीन केयर के को-फाउंडर हरसिमरबीर सिंह ने कहा, "यह साझेदारी भारत में एथलीटों को बेहतरीन सुविधा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऑर्थो स्पोर्ट की खेल चिकित्सा में विशेषज्ञता और प्रिस्टीन केयर की रोगी-केंद्रित देखभाल और तकनीकी इनोवेशन के साथ, हमारा लक्ष्य इस सेंटर को स्पोर्ट इंजरी मैनेजमेंट के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है। एडवांस सर्जिकल उपकरणों और रिहैबिलिटेशन तकनीकों की मदद से हमारे रोगियों को बेहतरीन परिणाम देखने को मिलेंगे।"

ऑर्थो स्पोर्ट के डॉ. मनु बोरा ने कहा, "यह साझेदारी स्पेशलाइज्ड स्पोर्ट मेडिसिन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम प्रत्येक रोगी को व्यक्तिगत रूप से, परिणाम केंद्रित केयर प्लान प्रदान करने के लिए समर्पित हैं। हमारी कोशिश है कि खिलाड़ी एथलेटिक एक्टिविटीज और रोजमर्रा के कामकाज के लिए तेजी से और सुरक्षित रूप से रिकवर करें।हमारे प्रयास सिर्फ उपचार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हम हर महीने राष्ट्रीय स्तर के तीन वंचित एथलीटों को बिना किसी खर्च के विस्तृत और आजीवन रिहैबिलिटेशन सुविधा प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावा, हम प्रत्येक तिमाही में पाँच और एथलीटों के रिहैबिलिटेशन को प्रायोजित करते हैं।"

फिजिकल सेंटर के अलावा, प्रिस्टीन केयर ने एक नया व्हाट्सएप इंटीग्रेशन शुरू किया है। इसकी मदद से मरीज सीधे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के ज़रिए एमआरआई स्कैन को सुरक्षित रूप से साझा कर सकते हैं। एमआरआई स्कैन मिलने पर, इसे प्रिस्टीन केयर के सिस्टम पर सुरक्षित रूप से अपलोड किया जाता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)